RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 133 ता. 19 नवम्बर 2021, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सेना की बड़ी कामयाबी, मार गया हिजबुल मुजाहिदीन का टॉप जिला कमांडर शकीर

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने जिस एनकाउंटर में 5 आतंकियों को ढेर किया था उनकी पहचान हो गई है।मारे गए आतंकियों में से एक हिजबुल मुजाहिदीन का टॉप जिला कमांडर शकीर नजर भी शामिल था जो कि घाटी में साल 2018 से ही सक्रिय था।सुरक्षाबलों ने शकीर के मारे जाने को बड़ी कामयाबी बताया है। कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने बताया की पोम्बई और कुलगाम एनकाउंटर में हिजबुल का टॉप आतंकी शकीर नजर भी मारा गया है। बता दें कि बुधवार को कश्मीर के पोम्बई और गोपालपुरा गांवों में दो एनकाउंटर के दौरान 5 आतंकियों को मार गिराया था। पुलिस ने इसके अलावा पुलवामा में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार भी किया था। पुलिस के मुताबिक,ये दोनों बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहे थे। दोनों की पहचान आमिर बशीर और मुख्तार भट के तौर पर हुई है और इनके पास से आईईडी बरामद हुए थे।

जम्मू और श्रीनगर में केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण की अलग-अलग पीठ स्थापित

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार ने जम्मू और श्रीनगर में केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) की अलग-अलग पीठ स्थापित की हैं, जो केंद्रीय कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों में फैसला करती हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में इसकी जानकारी दी गई।मोदी सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केन्द्र शासित प्रदेश बनाने की घोषणा की थी। आदेश में कहा गया कि जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के डोडा, जम्मू, कठुआ, किश्तवाड़, रियासी, पुंछ, राजौरी, रामबन, सांबा, उधमपुर जिले और केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख का लेह जिला जम्मू स्थित कैट की पीठ के अधिकार क्षेत्र में आएंगे। वहीं, श्रीनगर पीठ के अधीन जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, बडगाम, गांदरबल, कुलगाम, कुपवाड़ा, पुलवामा, शोपलान जिले और लद्दाख का करगिल जिला होगा।

केंद्रीय गृह सचिव ने जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने हाल ही में ली गई समीक्षा बैठक में कई मुठभेड़ों और आतंकियों के हमलों में नागरिकों की हत्या के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। करीब एक घंटे तक आयोजित बैठक में जम्मू कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि गृह सचिव को जम्मू कश्मीर में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया गया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के सम्मेलन से तीन दिन पहले हुई बैठक में आतंकवादियों द्वारा हाल में नागरिकों की हत्या तथा सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ की घटनाओं का भी जिक्र किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पुलिस महानिदेशक तथा पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) रैंक के करीब 250 शीर्ष अधिकारी 20-21 नवंबर को होने वाली बैठक में शामिल होंगे। जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों ने बुधवार को गोपालपुरा में ऑपरेशन में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। इसके अलावा, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के दो सहयोगियों को पुलवामा में पकड़ा गया। इस बीच सोमवार को श्रीनगर में हुई मुठभेड़ को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। मुठभेड़ में मारे गए दो लोगों के परिवारवालों ने पुलिस के आरोप को खारिज कर दिया कि वे आतंकियों के सहयोगी थे। पिछले महीने श्रीनगर में एक महिला प्रधानाध्यापक और एक शिक्षक की हत्या कर दी गई थी।

प्रदेश के बड़े हिस्से में राष्ट्रवाद की अलख को और मजबूती से उठाएगी आरएसएस

गोरखपुर ।

उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आरएसएस भी सक्रिय हो उठी है। इसके तहत वह प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में राष्ट्रवाद की अलख को और मजबूती से उठाने जा रही है। आरएसएस के पूर्वी क्षेत्र में राष्ट्रवाद की अलख को और मजबूत करने के लिए आरएसएस ने स्वाधीनता का अमृत महोत्सव के तहत गांव गांव तक जाने का कार्यक्रम तय किया है। ने यूपी और उत्तराखंड को दो भागों और 7 प्रांतों में बांट रखा है, पूर्वी क्षेत्र में गोरक्षप्रांत, काशीप्रांत, अवध प्रांत और कानपुर प्रांत है तो पश्चिमी क्षेत्र में ब्रज-मेरठ प्रांत और उतरांचल है। इस कार्यक्रम में आरएसएस प्रदेश के बड़े हिस्से को कवर कर लेगी। स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ मिलकर 19 नवम्बर रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिन से लेकर 19 दिसम्बर पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के बलिदान दिवस तक ये अभियान चलाया जाएगा। अमृत महोत्सव के दौरान तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, भारत माता का पूजन होगा साथ ही सामूहिक वंदे मातरम का गायन होगा, नुक्कड़ नाटक साथ साथ इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज और विवि में प्रतियोगिता व गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। देश के लिए प्राणों का बलिदान करने वाले धरती मां के सपूतों को भी इस अवसर पर याद किया जाएगा और उनके स्मारकों पर दीपोत्सव का कार्यक्रम होगा। इसी के साथ आरएसएस गुमनाम क्रांतिवीरों की खोज भी करेगा जो देश की आजादी के लिए बलिदान हो गए।

सभी लोकतांत्रिक देश यह सुनिश्चित करें

क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाए : पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लोकतांत्रिक देशों से मिलकर सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि क्रिप्टो-करेंसी गलत हाथों में ना जाए ,अन्यथा युवाओं का भविष्य बर्बाद हो सकता है। प्रधानमंत्री ने डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए डाटा को इस युग के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताकर कहा कि भारत ने इसकी सुरक्षा एवं निजता की रक्षा के लिए मजबूत ढांचा विकसित किया है और वह इसका इस्तेमाल लोगों के सशक्तीकरण के स्रोत के रूप में करता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज को पुनर्भाषित किया। उन्होंने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा, ताकत और नेतृत्व को भी पुनर्भाषित कर रहा है। इसने प्रगति और समृद्धि के नए अवसर भी पैदा किये हैं।'' प्रधानमंत्री ने इस मौके पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्षेत्र एवं दुनिया के लिए एक कल्याणकारी ताकत बताया। उन्होंने कहा,भारत में हमने डाटा सुरक्षा, निजता और सुरक्षा के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार किया है। साथ ही साथ हम इसका उपयोग लोगों के सशक्तीकरण के स्रोत के रूप में कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि कोई देश प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कैसे करता है,यह उसके मूल्यों और दृष्टि पर निर्भर करता है।उन्होंने कहा, ''भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं पुरानी हैं, इसकी आधुनिक संस्थाएं मजबूत हैं।भारत की आईटी प्रतिभा ने वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था निर्मित करने में भूमिका निभाई है।दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी और सेवा के अभ्युदय में भी योगदान दिया है। आज हम कोविन प्लेटफार्म दुनिया को मुफ्त में मुहैया करा रहे हैं और इसके सॉफ्टवेयर को सबके लिए उपलब्ध कराया है।उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से जनहित के लिए नीति, समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तीकरण के क्षेत्र में भारत के व्यापक अनुभव का लाभ विकासशील विश्व को मिल सकता है।

प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को परिलक्षित करने वाली दुनिया के निर्माण तथा देशों की सुरक्षा व समृद्धि के लिए इस अहम बताया और सुझाव दिया कि भारत के इस अनुभव से विश्व के देशों व उसके लोगों को सशक्त करने तथा उन्हें इस शताब्दी के अवसरों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, एक साथ काम किया जा सकता है। उन्होंने कहा,यह जरूरी है, कि लोकतांत्रिक देश एक साथ काम करें। भविष्य की प्रौद्योगिकी में शोध व विकास के लिए साथ-साथ निवेश करें, विनिर्माण और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करें, साइबर सुरक्षा को लेकर खुफिया जानकारी और जमीनी सहयोग को गहरा करें, अपने लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप तकनीक और शासन के मानक नियम कायदे विकसित करें, डाटा की सुरक्षा और उसके सीमापार प्रवाह को रोकने के लिए एक मानक तय करें।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि देशों के राष्ट्रीय अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इसके जरिए व्यापक जनहित में व्यापार

और निवेश को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने क्रिप्टो-करेंसी या बिटकॉइन का उदाहरण देते हुए कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि सभी लोकतांत्रिक देश साथ काम करें और यह सुनिश्चित करें कि यह गलत हाथों में ना जाए, जो हमारे युवाओं को बर्बाद कर सकता है।''

लद्दाख में बोले राजनाथ सिंह-

देश की एक-एक इंच जमीन की रक्षा करने में सक्षम है हमारी सेना

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना के जवान पूर्वी लद्दाख में किसी भी नापाक हरकत का करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और वे देश की हर एक इंच जमीन की रक्षा करने में सक्षम हैं। सिंह ने लद्दाख में रेजांग लॉ में चीन के साथ 1962 की लड़ाई में शहीद हुए सैनिकों की याद में बनाए गए नए युद्ध स्मारक का गुरूवार को उद्घाटन किया। रेजांग लॉ स्मारक को चीन की लड़ाई के बाद यहां बनाया गया था लेकिन इसे हाल ही में नए सिरे से बनाते हुए इसका विस्तार कर इसे नया रूप दिया गया है। नए स्मारक में जून 2020 में चीनी सैनिकों के साथ गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में शहीद हुए सेना के 20 सैनिकों के नाम भी शामिल किए गए हैं। रक्षा मंत्री ने इस मौके पर कहा कि भारत ने कभी किसी की जमीन पर कब्जे की नीयत नहीं रखी लेकिन यदि किसी ने उसकी ओर आंख उठाकर देखा है तो उसका करारा जवाब दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का चरित्र रहा है कि हमने कभी भी किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करने की नीयत नहीं रखी। मगर यदि किसी भी देश ने भारत की ओर आंख उठा कर भी देखा है तो हमने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है। हमारी सेना के बहादुर जवान भारत की हर एक इंच जमीन की रक्षा करने में सक्षम हैं। राजनाथ ने इस मौके पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि रेजांग लॉ का ऐतिहासिक युद्ध 18,000 फीट की ऊंचाई पर जिन विषम परिस्थितियों में लड़ा गया उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। मेजर शैतान सिंह तथा उनके साथी सैनिक 'आखिरी गोली और आखिरी सांस' तक लड़े एवं बहादुरी और बलिदान का नया अध्याय लिखा। उन्होंने कहा कि यह स्मारक सेना द्वारा रेज़ांग ला में प्रदर्शित उस दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस की मिसाल है, जो केवल इतिहास के पन्नो में ही अमर नहीं है, बल्कि हमारे दिलों में भी धड़कता है।

भूटान की जमीन कब्जा चीन ने भारत के बॉर्डर पर बसा दिए 4 गांव

नई दिल्ली। सीमा पर चीन की हरकतें चौतरफा भारत की चिंताएं बढ़ा रही हैं। ड्रैगन ने अब भूटान की करीब 100 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है और 4 गांव बसा दिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने इस जमीन पर बीते एक साल में ये गांव बसाए हैं। ये गांव भारत की सीमा के बिलकुल करीब हैं। इसलिए यह भूटान के साथ ही भारत के लिए भी चिंता का सबब हो सकते हैं। चीनी सेना की गतिविधियों पर नजर रखने वाले एक सैटेलाइट इमेजरी विशेषज्ञ ने कुछ तस्वीरें ट्वीट करते हुए दावा किया है कि चीन ने भूटान के अंदर पिछले एक साल में नए गांव बसा लिए हैं। ट्वीट में कहा गया है कि 100 वर्ग किलोमीटर के दायरे में कई गांव दिखाई दे रहे हैं। द इंटेल लैब नामक इस संस्था ने लिखा है, डोकलाम के नजदीक भूटान और और चीन के बीच विवादित जमीन पर 2020-21 के बीच नया निर्माण देखा जा सकता है। सौ वर्ग किलोमीटर में कई नए गांव अब इस जमीन पर फैले दिखते हैं। ये तस्वीरें उसी डोकलाम इलाके के पास की हैं, जहां 2017 में भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके बाद भी चीन ने इलाके में निर्माण जारी रखा था। नये निर्माण को लेकर दावा है कि यह भूटान की जमीन पर है। अगर यह दावा सच है तो भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से भूटान भारत का करीबी रहा है और उसकी विदेश नीति पर भारत का काफी प्रभाव रहा है। भारत ही भूटान की फौजों को ट्रेनिंग भी देता है। भूटान पर चीन का लगातार दबाव रहता है। चीन चाहता है कि भूटान सीमाओं को लेकर उसके साथ तोलमोल करे ताकि इलाकों को फिर से परिभाषित किया जा सके। दोनों देशों के बीच बातचीत भी हुई है।लेकिन उस बातचीत में क्या हुआ, यह सार्वजनिक नहीं हो पाया।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी लेखिका बनी, जल्द आ रही है उनकी पहली किताब 'लाल सलाम'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को लोग अभी तक केवल एक अभिनेत्री और राजनेता के तौर जानते है पर उनकी नई प्रतिभा एक लेखक के तौर पर सामने आने वाली है। लेखक के इस नए किरदार में उनकी पहली किताब जल्द ही आने वाली है। प्रकाशक इसके बारे में ज्यादा बात करने को तैयार नहीं हैं, लेकिन उन्हें यकीन है कि ये किताब ब्लॉकबस्टर साबित होगी। स्मृति ईरानी की पहली किताब का नाम है 'लाल सलाम'। जाहिर है लाल सलाम नाम ही हर देशवासी के कान खड़े कर देगा। ये सोचने पर मजबूर करेगा कि आखिर लाल सलाम और स्मृति ईरानी की इस कहानी में कनेक्शन क्या है? सस्पेंस बरकरार

है कि आखिर स्मृति ईरानी ने इस लाल रंग को अपना विषय क्यों चुना? हम आपको बताते हैं कि ये कनेक्शन तो सही है। कहानी तो लाल सलाम पर ही है, लेकिन ये फिक्शन नहीं है। हालांकि किताब के प्रकाशक खुलासा तो नहीं कर रहे हैं, लेकिन इतनी जानकारी जरूर दे रहे हैं कि इस किताब के लिए लेखिका ने बरसों रिसर्च की है। सूत्रों के मुताबिक स्मृति ईरानी ने सच्ची घटना पर ये किताब लिखी है और उन्हें लगभग 10 साल लगे इस किताब को पूरा करने में। कौन सी सच्ची घटना पर ये किताब आधारित है और किताब लिखने की प्रेरणा किसने दी? ये स्मृति ईरानी जल्दी ही खुद दुनिया के सामने रखेंगी, लेकिन किताब ब्लॉकबस्टर जरूर बनेगी। सूत्रों के मुताबिक स्मृति ईरानी की किताब पर फिल्म बनाने के राइट्स भी खरीद लिए गए हैं। इसलिए इंतजार कीजिए कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का ये नया अवतार कितनी सुर्खियां बटोरने में सफल होता है।

योगी-धामी की एक मुलाकात से

सुलझा 21 साल पुराना विवाद

लखनऊ।

लखनऊ दौरे पर आए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई। इसके बाद दोनों मुख्यमंत्री प्रदेश के अफसरों के साथ बैठे। इस बैठक के बाद पुष्कर धामी ने मीडियो से बातचीत में दावा किया कि दोनों राज्यों के बीच 21 साल से चला रहा बंटवारा विवाद हल हो गया है। सीएम धामी ने कहा कि यूपी-उत्तराखंड के बीच छोटे-बड़े भाई जैसा सम्बन्ध है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने बहुत सहृदयता से धरातल की वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए विवादों के निपटारे पर अपनी सहमति दी। उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों का ज्वाइंट सर्वे होगा। इसके बाद यूपी के काम की सारी जमीन जिमसें 1700 मकान भी शामिल हैं, यूपी को दे दी जाएगी। जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गए उत्तराखंड के दो बैराज (वनबसा और किच्छा) का पुनर्निर्माण यूपी सरकार कराएगी। यूपी सरकार, उत्तराखंड परिवहन

निगम को 205 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। आवास-विकास की देनदारियों का भुगतान को दोनों राज्यों द्वारा 50-50 प्रतिशत साझेदारी के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा हरिद्वार स्थित अलकनंदा होटल एक महीने के अंदर उत्तराखंड को हैंडओवर हो जाएगा। उस दिन सीएम योगी का वहां कार्यक्रम भी होगा। किच्छा बस स्टैंड की जमीन उत्तराखंड को स्थानांतरित होगी। उत्तर प्रदेश सरकार उत्तराखंड वन विभाग को 90 करोड़ रुपए देगी। इसके अलावा थौरा बैकुंठनानक सागर गंग नहर में वॉटर स्पोर्ट्स और साहसिक पर्यटन की भी अनुमति मिल गई है। सीएम धामी ने दावा किया कि 21 साल से दोनों राज्यों के बीच जितने विवाद चले आ रहे थे, उन सबका निपटारा कर लिया गया है। एक अनुमान के मुताबिक यूपी-उत्तराखंड के बीच करीब 20 हजार करोड़ की परिसम्पत्तियों से लेकर जुड़े विवाद का आज निपटारा हो गया है। सीएम योगी से मुलाकात के पहले सीएम धामी ने लखनऊ के हनुमान सेतु स्थित मंदिर में पूजा की।

'स्किन-टू-स्किन टच' को लेकर दिए बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने 'स्किन-टू-स्किन टच' को लेकर दिए बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया है। अदालत ने 30 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट से फैसला रद्द करने की गुहार लगाई थी।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से खास याचिका दायर कर हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। गुरुवार को फैसला सुनाकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'कानून का उद्देश्य अपराधी को कानून के जाल से बचने की अनुमति देना नहीं हो सकता।कोर्ट ने कहा कि पास्को की धारा 7 के तहत 'स्पर्श और शारीरिक संपर्क' अभिव्यक्ति के अर्थ को 'त्वचा से त्वचा संपर्क' तक सीमित करना न केवल संकीर्ण और कागजी व्याख्या होगी, बल्कि प्रावधान की बेतुकी व्याख्या भी होगी। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि नाबालिग के अंदरूनी अंग को बिना कपड़े हटाए छूना सेक्सुअल असॉल्ट नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जब तक स्किन से स्किन का टच न हो, तब तक यौन दुराचार नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट की नागपुर बेंच की न्यायमूर्ति पुष्पा गनेडीवाला ने 19 जनवरी को पारित आदेश में कहा कि किसी हरकत को यौन हमला माने जाने के लिए 'गंदी मंशा से त्वचा से त्वचा (स्किन टू स्किन) का संपर्क होना' जरूरी है। उन्होंने फैसले में कहा कि महज छूना भर यौन हमले की परिभाषा में नहीं आता है। न्यायमूर्ति गनेडीवाला ने एक सेंशस कोर्ट के फैसले में संशोधन किया,इसमें 12 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने के लिए 39 वर्षीय व्यक्ति को तीन वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी।इस फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने 27 जनवरी को हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने मामले को सुप्रीम कोर्ट के सामने उठाया था। हाईकोर्ट के आदेश का जिक्र कर वेणुगोपाल ने कहा था कि मामले में गलत नजीर बनेगी,इसकारण हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाया जाए। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि जो व्याख्या की गई है, उसका महिला के बेसिक राइट्स के खिलाफ असर होगा। याचिका में कहा गया था कि पोक्सो की धारा-7 के तहत कहा गया है कि अगर कोई शख्स किसी नाबालिग के शरीर के प्राइवेट पार्ट और

ब्रेस्ट को टच करता है तो वह सेक्सुअल असॉल्ट माना जाएगा। इस परिभाषा में कहीं भी स्किन से स्किन टच की बात नहीं है।शारीरिक छूना बिना कपड़ों के होना चाहिए ऐसा कानून में नहीं लिखा है। साथ ही इसके दूसरे पार्ट में कहा गया है कि सेक्सुअल नेचर का शारीरिक टच अगर है,तब वह सेक्सुअल असॉल्ट का अपराध है। लेकिन हाईकोर्ट ने धारा-7 के तहत सेक्सुअल असॉल्ट की गलत व्याख्या की है और वह खतरनाक नजीर बनेगा।

यूपी में 'फिर एक बार योगी सरकार' बनाने को बीजेपी ने कसी कमर

लखनऊ (एजेंसी)।

जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के शीर्ष नेता बूथ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्र स्तर पर लामबंद करने की तैयारी जोरों पर है। भगवा पार्टी की इस रणनीति ने पिछले तीन चुनावों में पार्टी को काफी फायदा पहुंचाया है। भाजपा ने बूथ स्तर तक समितियों के गठन और सत्यापन का काम पहले ही पूरा कर लिया है। पन्ना प्रमुखों (एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के व्यक्तिगत पृष्ठों के प्रभारी पार्टी कार्यकर्ता) को भी नियुक्त किया गया है। अब इन बूथ समितियों को उनकी चुनावी भूमिका के बारे में बताया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 22-23 नवंबर तक यूपी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य इकाई के अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे और चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस दौरे के दौरान नड्डा लखनऊ में राज्य मुख्यालय में फील्ड वर्कर्स से भी बातचीत करेंगे। कानपुर, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ के पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन और 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए सदस्यता अभियान के लक्ष्यों में प्रगति के बारे में जानकारी दी जाएगी। भाजपा अध्यक्ष 22 नवंबर को गोरखपुर में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। अगले दिन वह कानपुर में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यूपी चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और अन्य प्रभारी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 25 नवंबर को अवध क्षेत्र के सीतापुर और वाराणसी मंडल के जौनपुर में भी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों सम्मेलनों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ब्रज क्षेत्र और पश्चिमी यूपी में बूथ सम्मेलनों में शामिल होंगे, जिनकी तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

'सिडनी संवाद' में बोले पीएम मोदी- 1.3 अरब से अधिक भारतीयों की अपनी अलग डिजिटल पहचान

- 6 लाख गांवों को जोड़ने में जुटा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित सिडनी डायलाग को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग हमारे चारों ओर सब कुछ बदल रहा है। इस आयोजन में पीएम मोदी ने भारत के प्रौद्योगिकी अभ्युदय व क्रांति विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सिडनी डायलाग का आयोजन 17 से 19 नवंबर तक हो रहा है। यह आयोजन आस्ट्रेलियाई रणनीतिक व नीति संस्थान की पहल है। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में पांच अहम बदलाव हो रहे हैं। हम सबसे व्यापक पब्लिक इंफर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैंज हम 6 लाख गांवों को जोड़ने की राह पर है।' उन्होंने कहा, 'हमने कोविन और आरोग्य सेतु का उपयोग कर तकनीक के इस्तेमाल से भारत में वैक्सीन के 110 करोड़ से ज्यादा डोज पहुंचाए हैं।' पीएम ने कहा कि भारत पहले ही कारोबार जगत को साइबर सुरक्षा से जुड़े समाधान और सेवाएं देने का बड़ा केंद्र है। उन्होंने कहा कि हमने साइबर सुरक्षा में भारत को ग्लोबल हब बनाने के लिए उद्योग के साथ टास्कफोर्स का गठन किया है। उन्होंने कहा, 'आज की तकनीक का सबसे बड़ा प्रोडक्ट डेटा है। भारत में हमने डेटा की रक्षा, निजता और सुरक्षा के लिए मजबूत ढांचा तैयार किया है।' भाषण में पीएम मोदी ने कोविन प्लेटफॉर्म का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी दुनिया को मुफ्त में कोविन प्लेटफॉर्म पेश किया और इसे ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर बनाया। लोगों की भलाई, समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए तकनीक और नीति के उपयोग का व्यापक अनुभव विकासशील देश के लिए बड़ा मददगार हो सकता है।' पीएम ने कहा, 'लोकतंत्र और डिजिटल अगुआ के रूप में भारत साझा समृद्धि और सुरक्षा के लिए साझेदारों के साथ काम करने के लिए तैयार है। भारत की डिजिटल क्रांति की जड़ें हमारे लोकतंत्र, हमारी जनसांख्यिकी और हमारी अर्थव्यवस्था के पैमाने से जुड़ी हुई हैं। इसे हमारे युवाओं के नवाचार और उद्यम ने ताकत दी है।' 'सिडनी संवाद' को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत एवं ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्षेत्र और दुनिया के लिए कल्याणकारी बताया।

नीतीश की जदयू में महिलाओं को मिलेगी ज्यादा भागीदारी

नई दिल्ली।

बहार की महिलाओं और बेटियों के लिए लगातार कई योजनाएं ला रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में भी आधी आबादी को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की तैयारी की जा रही है। इसी को देखते हुए जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पार्टी के तमाम प्रकोष्ठों और इकाइयों को भंग कर दिया है। उन्होंने पार्टी के लोकसभा और विधानसभा प्रभारियों को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि शीघ्र ही सभी प्रदेश प्रकोष्ठों का गठन होगा और प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी। पार्टी प्रदेश कार्यालय में उमेश कुशवाहा ने कहा कि संगठन को पहले से बेहतर और धारदार बनाने के मकसद से ऐसा किया गया है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि संगठन में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी और बढ़ाई जाएगी। एक सवाल पर उन्होंने यह भी कहा कि कई महिला, युवा और समर्पित कार्यकर्ता छूट हुए हैं, जिन्हें हम संगठन से जोड़कर इसे और मजबूती प्रदान करेंगे। हम उन उपेक्षित रहे कार्यकर्ताओं को जोड़कर उन्हें सम्मानित भी करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई ऐसे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो बेहतर कार्य कर रहे हैं। पार्टी की मजबूती में अपना सहयोग दे रहे हैं, पर उन्हें कोई जिम्मेदारी अभी नहीं दी गई है। ऐसे तमाम कार्यकर्ताओं को पार्टी के विभिन्न पदों पर रखते हुए, उन्हें अहम जिम्मेदारी दी जाएगी।

संसद का शीतकालीन सत्र 29 से

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होगा और इसके 23 दिसंबर को समाप्त होने की संभावना है। संसद से जारी एक आधिकारिक सूचना में यह जानकारी दी गई है। लोकसभा सचिवालय ने कहा कि सत्रहवीं लोकसभा का सातवां सत्र 29 नवंबर को शुरू होगा। सरकारी कामकाज की अत्यावश्यकताओं के अधीन, सत्र के 23 दिसंबर को समाप्त होने की संभावना है। राज्यसभा ने भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने राज्यसभा को इसी म हिने 29 नवंबर की बैठक के लिए आहूत किया है। कार्य की अत्यावश्यकताओं के अधीन सत्र 23 दिसंबर को समाप्त होगा।

सीएम चन्नी के करतारपुर न ले जाने पर फिर बढ़ी पंजाब में रार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

करतारपुर कॉरिडोर खुलने के बाद एक बार फिर से पंजाब कांग्रेस में जारी रार भी खुलकर सामने आ गई है। दरअसल, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में राज्य के मंत्रियों का जत्था गुरुवार को पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब गुरुद्वारे का दौरा करेगा लेकिन इस जत्थे में नवजोत सिंह सिद्धू को शामिल नहीं किया गया है। सीएम चन्नी और पंजाब के मंत्रियों के साथ नवजोत सिंह सिद्धू को न ले जाने पर अब सिद्धू खेमा नाराज हो गया है। सिद्धू के सलाहकार ने खुद ट्विटर पर इस नाराजगी को जाहिर किया है। सिद्धू के मीडिया सलाहकार ने उन सवालों को सही ठहराया जिसमें कहा जा रहा है कि पंजाब सरकार सिद्धू को इसलिए साथ नहीं ले गई क्योंकि अगर वो जाते सबका ध्यान उन्हीं पर रहता। पंजाब के एक रिपोर्टर ने ट्वीट किया, 'चरणजीत सिंह चन्नी और उनके सहयोगी करतापुर साहिब गुरुद्वारा जाएंगे लेकिन कांग्रेस के अंदर ही अब सिद्धू को इस दौरे से बाहर रखने पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि पंजाब सरकार ने उन्हें न ले जाने का फैसला क्यों किया। महफिल लूटने का डर।' इस ट्वीट पर सिद्धू के सलाहकार सुरिंदर दल्ला ने जवाब दिया और अपनी सहमति जताई है। उन्होंने लिखा, 'एकदम सच राजमीत जी। मैं आपके विचारों से बिलकुल सहमत हूं। दल्ला ने इससे पहले भी ट्वीट किया था। उन्होंने बुधवार रात दावा किया कि सिद्धू को आधिकारिक तौर पर सूचित कर दिया गया है कि वह 18 नवंबर के बजाय 20 नवंबर को जा सकते हैं। दल्ला ने कहा, 'सिद्धू साहब ने कल (गुरुवार) को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे जाने की पूरी तैयारी कर ली थी।' बता दें कि सिद्धू ने करतारपुर कॉरिडोर को खोलने का श्रेय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी सरकार को दिया था।

यह यात्रा गुरुपुरब से एक दिन पहले आती है, जो सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि चन्नी के साथ कुछ विधायक और कुछ अधिकारी भी होंगे। गुरु नानक की जयंती के रूप में मनाया जाने वाला गुरुपर्व 19 नवंबर को मनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में गुण्डा राज, भाजपाई सड़क पर नंगा नाच कर रहे हैं -रामविलास प्रजापति

देवरिया । अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ उत्तर प्रदेश पूर्वांचल के अध्यक्ष रामबिलास प्रजापति ने कहा कि प्रदेश में गुण्डा राज कायम है और भाजपा के लोग सड़क पर नंगा नाच कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में हुई एक ब्यवसाई की हत्या का मामला अभी थमा नही था कि उसके सुबह ही मनीष प्रजापति (23वर्ष) की पीट- पीट कर निर्मम हत्या कर दी गयी। बताते हैं कि मनीष गोरखपुर में एक माडल शराब की दुकान पर कर्मचारी था। रामगढ़ ताल निवासी एक हिस्ट्री शीटर का भाई अपने कुछ साथियों के साथ दुकान पर पहुंचा और शराब मांगा। मनीष ने फ्री में शराब देने से मना कर दिया, बस इतनी सी बात पर गुण्डो ने मनीष पर जानलेवा हमला कर दिया और उसे पीट- पीटकर मार डाला,

बचाने गये मनीष के साथियों की भी पिटाई की गई।इस घटना की न तो जांच हुई और अपराधियों की गिरफ्तारी हुई । इसी प्रकार बस्ती जनपद के कलवारी थानांतर्गत स्थित खेमऊर गांव निवासी संतराम और भगवान दीन प्रजापति का घर दबंगों द्वारा जला दिया गया एवं उनके ऊपर प्राणघातक हमला किया गया। थाना साहिबाबाद सासनी गेट जिला अलीगढ निवासी आचार्य पूरनमल प्रजापति ने डीजीपी को लिखे पत्र के माध्यम से अपनी जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि आचार्यपूरनमल ने 2020 में मुकदमा संख्या 51 धारा 302,307 अपने थाने में दर्ज कराया। उनके पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी । बताते हैं कि जांच अधिकारी आरोपियों को बचाने में लगे हैं और उन्हें प्रति दिन धमकियां दी जा रही है । इससे लगता है कि एक साज़िश के तहत सरकारी गुण्डो द्वारा कुम्हारों पर हमले किए जा रहे हैं और इन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है ।

प्रजापति ने कहा कि योगी सरकार में मैनपुरी में एक ही प्रजापति परिवार के पांच लोगों को जिन्दा जलाकर मार डाला गया,अभी हाल में भी गोरखपुर के विजय प्रजापति को सरकार के वर्दीधारी गुण्डो ने मुठभेड़ दिखाकर उसकी हत्या कर दी । प्रजापति समाज के लोगों के साथ पचास से अधिक हत्या और बहन बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुई है किन्तु प्रदेश सरकार ने किसी भी घटना को गम्भीरता से नहीं लिया और तमाम घटनाओं में तो में आरोपियों की गिरफ्तारी ही नहीं हुई जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा है । उन्होंने कहा कि समाज के ऊपर हो रहे जुल्म ज्यादती अत्याचार से कुम्हांर समाज आहत औरआक्रोशित हैं तथा आंदोलन करने पर उतारू हैं। प्रजापति ने मनीष के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देने और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग की है क्योंकि मनीष अपने मां-बाप का कमाऊ पुत्र था और इसी के सहारे परिवार का भरण-पोषण होता था । उन्होंने महासंघ के पदाधिकारियों से अपील की है कि वे स्वयं और अन्य संगठनों को साथ लेकर अपनी मांगों से संबंधित मुख्यमंत्री को सम्बोधित मांगपत्र अपने जिलाधिकारियों को दे ताकि पूरे देश की जनता को इस सरकार की शासन प्रणाली की जानकारी हो सके।

समाज सेवी श्री प्रकाश पाल ने बरहज बिधान सभा क्षेत्र की मूल भूत समस्याओं पर डाला प्रकाश

बरहज, देवरिया । बरहज विधान सभा अपने मूलभूत सुविधाओं से आज भी वंचित है , कारण कि बरहज विधान सभा क्षेत्र हमेशा जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का शिकार रहा । जनप्रतिनिधियों ने विकास का वादा करके जनता को केवल छलने का कार्य करते रहें । बरहज तहसील मुख्यालय को जोड़ने वाली सभी सड़कें बदहाल हैं , सबसे बद्तर हालत बरहज करुअना व बेलडाड़ कठिनाइयां मार्ग का है । लोग धूल फांकते आवागमन को मजबूर हैं , लेकिन अधिकारी और जनप्रतिनिधि आंख मूंदे हुए हैं, उन्हें जनता की परेशानी से कोई लेना देना नहीं है । उक्त बातें समाजसेवी श्रीप्रकाश पाल ने प्रेस वार्ता के दौरान कही । उन्होंने कहा कि बरहज में आज तक बस स्टैंड नहीं बन सका, जिससे यात्री सड़कों पर मारे मारे फिरते हैं वहीं अग्निशमन केंद्र भी नहीं है, जिससे प्रत्येक वर्ष किसानों का हजारों एकड़ फसल जलकर खाक हो जाता है । गरीबों को सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है , कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है । जनप्रतिनिधि मंचों से बड़े बड़े वादे करते हैं पर धरातल पर उनके कार्य कहीं नहीं दिखाई देते , नाही वे क्षेत्र में कभी दिखते हैं , पर चुनाव आते ही फिर भोली भाली जनता को लुभावने वायदे से झांसे में छलने के लिए क्षेत्र में आ जाते हैं । आगे श्री पाल ने कहा कि अगर बरहज क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ तो बरहज के चतुर्दिक विकास को मूर्त रुप देंगे ।

हर तरफ पानी-पानी नजर आ रहा

तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद छह जिलों में रेड अलर्ट, स्कूल और कॉलेज बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई है। हर तरफ पानी-पानी नजर आ रहा है। गुरुवार सुबह राज्य के कई जिलों में भारी बारिश के कारण मौसम विभाग ने छह जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है और स्कूल, कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। जिन छह जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है उसमें कुड्डालोर, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, चेन्नई और तिरुवल्लूर शामिल है। इसके शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य भर के 19 से अधिक जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पेरम्बलुर, अरियालुर, धर्मपुरी, तिरुपत्तूर, वेल्लोर और रानीपेट में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसारदक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर बना हवा का कम दबाव उत्तर तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश में राज्य में खतरा और बढ़ गया है। यह हवा का कम दवाब चेन्नई से लगभग 340 किमी दूर दक्षिण-पूर्व और पुडुचेरी से 300 किमी की दूरी पर केंद्रित है। जो आज उत्तरी तमिलनाडु के तट पर पहुंचेगा। अगले 12 घंटों में इसके तेज होने का अनुमान है। मौसम विभाग के सूत्रों ने कहा कि अगर इसकी न्यूनता में तेजी से बदलाव आता है तो बहुत भारी बारिश हो सकती है। राहत और बचाव का काम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ तिरुवल्लुर जिले में तैनात किया गया है। राज्य में कल शाम से चेन्नई शहर, उपनगरों, कई जिलों और पश्चिमी क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। पिछले कुछ दिनों से रूक-रूक हो रही भारी बारिश के कारण शहर और उपनगरों के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। पुलिस सूत्रों ने कहा हालांकि चेन्नई के सभी

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 6 दिसंबर को करेंगे पुतिन की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 दिसंबर को दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी करेंगे। डिनर के बाद दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक भी होगी। इसमें क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित करने वाली नई चुनौतियों से निपटने पर चर्चा होगी। मोदी के साथ बैठक में राष्ट्रपति पुतिन विस्तृत औपचारिक दिनचर्या से गुजरे बिना प्रधानमंत्री आवास पर अफगानिस्तान, इंडो-पैसिफिक, रणनीतिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, मध्य-पूर्व और आतंकवाद पर पीएम मोदी के साथ चर्चा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं, भारत और रूस के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच टू प्लस टू वार्ता शिखर सम्मेलन से एक ही दिन पहले होने की उम्मीद है। आपको बता दें कि पुतिन ने इससे पहले 5 अक्टूबर, 2018 को भारत की यात्रा की थी। पीएम के आवास के अंदर एक छोटा सा तंबू लगाया गया था, जहां दो दोस्तों ने केवल दुभाषियों की मौजूदगी में बात की थी। इस दौरान उन्होंने भारतीय व्यंजनों का लुफ्त उठाया था। रूस में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा कुछ घंटों तक चलने की उम्मीद है। हालांकि माना जा रहा है कि डिनर के बाद शुरू होने वाली याह बैठक तड़के सुबह तक चल सकती है। भारत और रूस उस दिन कई समझौतों पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, लेकिन दोनों देश मोदी सरकार द्वारा मॉस्को से बेहद जरूरी एस-400 मिसाइल सिस्टम हासिल करने को लेकर हो रही साजिश से बेफिक्र हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाशिंगटन हर बार भारत को धमकी देता है कि वह कैटसा अधिनियम का हवाला देते हुए प्रतिबंध लगाएगा। हालांकि मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर एक दूसरे की आपसी समझ के लिए बाइडेन प्रशासन के साथ लंबी चर्चा की है। भारत के लिए एस-400 सिस्टम की प्रासंगिकता अब बहुत महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि चीनी पीएलए ने पहले ही वही रूसी सिस्टम एलएसी के नजदीत तैनात कर दिया है। पीएलए अब तक पूरी तरह से लद्दाख एलएसी पर तैनात है, जिसमें कम से कम तीन डिवीजनों के सैनिक, मिसाइल और रॉकेट रेजिमेंट हैं, जो वायुसेना के साथ स्टैंडबाय पर हैं। चीन ने भारत की ओर दो एस -400 सिस्टम और ताइवान के खिलाफ तीन पूर्वी तट की रक्षा के लिए तैनात किए हैं। यह पहले से ही रूसियों के साथ एस-500 सिस्टम हासिल करने के लिए बातचीत कर रहा है जो अंतिम चरण में है। इस मुद्दे की जानकारी रखने वाले एक पूर्व विदेश सचिव ने कहा, ÷किसी को यह समझना चाहिए कि पांच एस -400 सिस्टम की खरीद के लिए 2018 की शुरुआत में अनुबंधित की गई थी। चीन का मुकाबला करने के लिए इसकी आवश्यकता है, जिसके पास मई 2020 से एलएसी पर एक दुर्जेय शस्त्रागार है।

कभी था बसपा का गढ़ आज बुंदेलखंड के हर खंड में भाजपा की पकड़

बुंदेलखंड (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के चुनावी रण में सभी योद्धा उतर चुके हैं। पश्चिम यूपी से लेकर पूर्वी जिले गाजीपुर तक और दक्षिण में बुंदेलखंड तक सियासी कार्यक्रमों का दौर जोरों पर है। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में सुल्तानपुर पहुंचे थे और अब वह शुक्रवार को महोबा पहुंचने वाले हैं। जिला प्रशासन पीएम नरेंद्र मोदी के विमान के उतरने के लिए फिलहाल हैलिपैड बनाने में जुटा है, लेकिन भाजपा इस दौरे से वोटों की पिच भी तैयार करने की कोशिश में है। पीएम नरेंद्र मोदी यहां अर्जुन सहायक प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग करेंगे। इससे बुंदेलखंड के किसानों को पानी की उपलब्धता के मामले में बड़ी सहायता मिलने की उम्मीद है। पीएम नरेंद्र मोदी का झांसी जाने का भी कार्यक्रम है। अर्जुन सहायक प्रोजेक्ट से महोबा, हमीरपुर और बांदा के गांवों के किसानों को पानी मिल सकेगा। महोबा जिले में 2019 में भी भाजपा ने पीएम नरेंद्र मोदी की रैली कराई थी और हर सीट पर पार्टी को जीत हासिल हुई थी। एक बार फिर से पार्टी इस जिले को लकी मान रही है और पीएम नरेंद्र मोदी के बुंदेलखंड अभियान की शुरुआत यहीं से होने वाली है। अर्जुन सहायक परियोजना के जरिए तीन जिलों को भी साधने की तैयारी है। बुंदेलखंड क्षेत्र में विधानसभा की कुल 19 सीटें हैं और 2017 में भाजपा ने सभी पर जीत हासिल की थी। ऐसे में एक बार फिर से पार्टी यहां जीत दर्ज करके पश्चिम यूपी के जिलों में होने वाले नुकसान की भरपाई करना चाहेगी। इस तरह बसपा ने मुस्लिम, ओबीसी, दलित और ब्राह्मणों को साधकर बुंदेलखंड में धाक जमाई थी। लेकिन अब इस क्षेत्र में भाजपा ने अपनी जगह मजबूत कर ली है और बसपा के सभी नेताओं की विदाई से मायावती अकेली पड़ गई हैं। वहीं भाजपा सरकार ने झांसी से चित्रकूट के क्षेत्र को डिफेंस कॉरिडोर घोषित किया है। यही नहीं इटावा से चित्रकूट तक बन रहे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के जरिए भी पार्टी ने बड़ी सौगात क्षेत्र को दी है। चित्रकूट में एयरपोर्ट से लेकर अन्य तमाम परियोजनाओं के जरिए भाजपा ने विकास और हिंदुत्व को साथ लेकर चलने का काम किया है। ऐसे में एक बार फिर से पार्टी यहां सपा और बसपा जैसे प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत नजर आ रही है।

नेवी चीफ ने दक्षिणी कमान के नाविकों और अधिकारियों से की बातचीत

कोच्चि (एजेंसी)।

अपने रक्षात्मक कौशल के लिए जानी जाने वाली भारतीय नौसेना के मुखिया एडमिरल करमबीर सिंह ने यहां दक्षिणी नौसेना कमान (एसएनसी) के नाविकों और अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की और कमान को मजबूत बनाए रखने के प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। एक रक्षा बयान में कहा गया है कि एडमिरल सिंह ने अधिकारियों और कर्मियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने मित्र देशों के साथ दोस्ती बनाए रखने में एसएनसी की अगुवाई में प्रशिक्षण अभियान के प्रयासों की भी तारीफ की। एडमिरल ने विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान नागरिक प्रशासन की सहायता प्रदान करने में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए दक्षिणी नौसेना कमान के कर्मियों की भी सराहना की। चार दशकों से अधिक समय तक विशिष्ट सेवा के बाद 30 नवंबर को नौसेना से सेवानिवृत्त हो रहे

भारतीय कैदी जाधव को अपील दायर करने का अधिकार देने पाक संसद ने बनाया कानून

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

जासूसी के आरोप में पाकिस्तान में मृत्युदंड की सजा सुनाए गए भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को सैन्य अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ समीक्षा अपील दायर करने का अधिकार देने के लिए पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को अपनी संयुक्त बैठक में एक कानून बनाया। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव (51) को अप्रैल 2017 में जासूसी और आतंकवाद के आरोप में एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच देने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का रुख किया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने जुलाई 2019 में फैसला दिया जिसमें पाकिस्तान से भारत को जाधव तक राजनयिक पहुंच देने और उनकी सजा की समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया।

बुधवार को सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त बैठक कुछ कानूनों को पारित करने के लिए बुलाई गई जिन्हें नेशनल असेंबली में इस साल जून में पारित किया गया था। इनमें जाधव को उनकी सजा के खिलाफ अपील करने के लिए अधिकार देने वाला कानून भी शामिल था। इन कानूनों को ऊपरी सदन ने मंजूरी नहीं दी थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (समीक्षा और पुनर्विचार) विधेयक, 2021 का उद्देश्य आईसीजे के फैसले के तहत दायित्व को पूरा करना है और इसे कानून मंत्री फारोग नसीम द्वारा प्रस्तुत किया गया और सदन की संयुक्त बैठक में ध्वनि मत से पारित किया गया। इस कानून ने जाधव को एक समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से उच्च न्यायालय में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने की अनुमति दी है जो आईसीजे के फैसले के तहत जरूरी था। संसद की संयुक्त बैठक तब बुलाई जाती है जब नेशनल असेंबली और सीनेट के बीच मतभेद दूर होने के आसार न हों। वर्तमान गतिरोध इस तथ्य के कारण था कि सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और सहयोगी दलों को नेशनल असेंबली में बहुमत प्राप्त है लेकिन सीनेट या उच्च सदन में वे अल्पमत में हैं। इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (समीक्षा और पुनर्विचार) विधेयक, 2020 जून में नेशनल असेंबली द्वारा पारित 21 विधेयकों में से एक था, लेकिन सीनेट ने उन्हें पारित करने से इनकार कर दिया था।

सरकार ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के मद्देनजर 2019 में एक विशेष अध्यादेश के माध्यम से न्यायालय के फैसले को लागू करने का भी प्रयास किया था। सरकार ने जब जाधव को पुनर्विचार याचिका दायर करने की अनुमति देने के लिए एक अध्यादेश जारी किया, तो उन्होंने इनकार कर दिया।

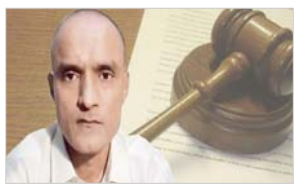

बाद में पाकिस्तान सरकार ने अपने रक्षा सचिव के माध्यम से जाधव के लिए बचाव पक्ष के वकील की नियुक्ति को लेकर 2020 में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी)में एक मामला दायर किया। आईएचसी ने अगस्त 2020 में तीन सदस्यीय बड़ी पीठ का गठन किया, जिसने बार-बार भारत से जाधव के लिए पाकिस्तान से एक वकील को नामित करने के लिए कहा, लेकिन नई दिल्ली ने इस पर जोर देते हुए इनकार कर दिया कि उसे एक भारतीय वकील नियुक्त करने का मौका दिया जाना चाहिए। पिछली सुनवाई पांच अक्टूबर को हुई थी और आईएचसी ने एक बार फिर सरकार से कहा कि वह भारत को नौ दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई से पहले वकील नियुक्त करने के लिए कहे।

चीनी तट रक्षकों ने विवादित सागर में फिलीपीन की 2 आपूर्ति नौकाओं का रास्ता रोका

बीजिंग। चीन के तट रक्षक जहाजों ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के नौसैनिकों के कब्जे वाले एक विवादित स्थल की ओर जा रहीं फिलीपीन की दो आपूर्ति नौकाओं का रास्ता रोका और उन पर पानी की बौछारे डालीं। इस कार्रवाई पर फिलीपीन सरकार ने चेतावनी देते हुए कहा कि उसकी ये नौकाएं अमेरिका के साथ एक पारस्परिक रक्षा संधि के तहत चलाई जा रही हैं। फिलीपीन के विदेश मंत्री तियोदोरो लोक्सिन जूनियर ने कहा कि मंगलवार को विवादित जल क्षेत्र में हुई घटना में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन दो आपूर्ति जहाजों को 'सेकंड थॉमस शोल' पर फिलीपीन के बलों को खाद्य आपूर्ति पहुंचाने संबंधी अपने अभियान को रोकना पड़ा, यह स्थान फिलीपीन के पश्चिमी पलावन प्रांत में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र है। लोक्सिन ने एक ट्वीट में कहा कि चीन की तीन तटरक्षक नौकाओं की कार्रवाई अवैध थी और उन्होंने उसने ''पीछे हटने'' को कहा। उन्होंने कहा कि फिलीपीन सरकार ने चीन को '' घटना के खिलाफ हमारी नाराजगी, निंदा और विरोध'' से अवगत करा दिया है संयम बरतने में नाकामी फिलीपीन और चीन के बीच विशेष संबंधों के लिए खतरा पैदा करती है'', जिसके लिए राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते और चीन के उनके समकक्ष, शी चिनफिंग ने काफी मेहनत की है। चीन की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अमेरिका ने यूक्रेन के निकट सैनिकों के जमावड़े को लेकर रूस से मांगा जवाब

वाशिंगटन: अमेरिका ने यूक्रेन के निकट सैनिकों के जमावड़े को लेकर रूस से जवाब मांगा है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को यह पता नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्वी यूक्रेन से लगती सीमा पर सैनिकों की संख्या को क्यों बढ़ा रहे हैं। ऑस्टिन ने इसे परेशान करने वाले सैन्य कदमों का एक उदाहरण करार दिया और कहा कि पुतिन को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। ऑस्टिन ने बुधवार को पेंटागन में संवाददाताओं से कहा,'' हम रूस से जिम्मेदाराना बर्ताव करने और यूक्रेन की सीमा पर बलों की संख्या बढ़ाने के संबंध में पारदर्शी रहने की लगातार मांग करते रहेंगे। हमें पता नहीं है कि पुतिन वास्तव में क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बलों और साजो-सामान के लगातार जमावड़े ने पेंटागन का ध्यान खींचा है और रूस को ''इस बात पर पारदर्शी होना चाहिए कि वे क्या करने वाला है। ऑस्टिन ने रूस पर, एक पुराने उपग्रह को मिसाइल से नष्ट करने का सोमवार को आरोप लगाया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि इस कदम से अंतरिक्ष में अभियानों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने पिछले सप्ताह कहा था कि पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों वाले इलाके में और सीमा के निकट 90 हजार रूसी सैनिक तैनात हैं।

बांग्लादेश में पाकिस्तानी टीम ने प्रैक्टिस दौरान क्रिकेट मैदान पर गाढ़ा अपना झंडा, मच गया बवाल

इंटरनेशनल डेस्क: ऑस्ट्रेलिया से टी-20 विश्व कप 2021 में सेमीफाइनल में हारने वाली पाकिस्तान की टीम कुछ दिन पहले बांग्लादेश दौरे पर पहुंचने के बाद विवाद शुरू हो गया है। यह विवाद दोनों देशों के बीच टी-20 सीरीज शुरू होने से पहले शुरू हुआ है। दरअसल मंगलवार को पाकिस्तान की टीम मीरपुर ढाका में अभ्यास कर रही थी। इस दौरान उसने मैदान पर अपना राष्ट्रीय ध्वज गाड़ दिया जिसके चलते विवाद हो गया है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान की इस हरकत पर बांग्लादेश के क्रिकेट फैंस ने नाराजगी जताई है। वहां के एक प्रशंसक ने फेजबुक पर लिखा, विश्व की कई टीमें अब तक बांग्लादेश का दौरा कर चुकी हैं, और बहुत से मैच खेले गए हैं, किसी भी टीम ने अभ्साय के दौरान मैदान पर अपनी राष्ट्रीय ध्वज नहीं गाड़ा, लेकिन ऐसा क्यों किया गया यह क्या संकेत देता है।यह मामला अब सोशल मीडिया पर ज्यादा तूल पकड़ रहा है। विवाद को आगे बढ़ता देख पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सफाई दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने डैमेज कंट्रोल करते हुए कहा, उन्होंने पिछले दो महीनों से अभ्यास सत्र के दौरान राष्ट्रीय ध्वज लगाने की प्रथा शुरू कर की है। हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है। वहीं बांग्लादेश के कुछ क्रिकेट फैंस ने पाकटीम को लौट जाने के को कहा है। पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश दौरे पर तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने आई है।

चीन से टक्कर लेने ताइवान तैयार, एफ-16 लड़ाकू विमानों की पहले कॉम्बैट विंग को बेड़े में शामिल किया

ताइपे (एजेंसी)।

ताइवान और चीन के बीच गर्माते माहौल के बीच ताइवानी राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग की सराहना की है।त्साई ने उन्नत एफ-16 लड़ाकू विमानों की पहले कॉम्बैट विंग को बेड़े में शामिल कर लिया है। चीन ने लगातार ताइवान की वायुसीमा में लड़ाकू विमान भेज रहा हैं। अक्टूबर महीने में चीन ने करीब 200 लड़ाकू विमान भेज दिए थे। त्साई ने अपने सबसे उन्नत एफ-16एस और एफ-16वी के पहले स्क्वाड्रन का अनावरण किया है। मौके पर उन्होंने कहा है कि यह प्रोजेक्ट ताइवान और अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जब तक हम लोकतंत्र और आजादी के मूल्यों का पालन करते हैं तब तक हमारे साथ एक ही मोर्चे पर समान विचारधारा वाले देश खड़े होने वाले है। त्साई ने कहा कि जैसे-जैसे अधिक एफ-16वी सेवा में प्रवेश करेगी ताइवान की सुरक्षा और भी मजबूत होगी। बता दें कि अमेरिका का ताइवान के साथ कोई आधिकारिक राजनयिक संबंध नहीं है लेकिन बीजिंग द्वारा ताइवान को लगातार धमकाने के बाद अमेरिका खुलकर ताइवान के समर्थन में आगे आया है। अमेरिका ताइवान के लिए एक बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि हम ताइवान की रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

भारत-प्रशांत आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाने के लिए ऑस्ट्रेलिया करेगा क्वाड का इस्तेमाल : स्कॉट मॉरिसन

(एजेंसी):

सिडनी डायलॉग में बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि उनका देश इंडो-पैसिफिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन में सुधार करने और एक खुला, सुलभ और सुरक्षित प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के प्रयास में क्वाड सदस्यों की क्षमताओं का उपयोग करने का प्रयास कर रहा है। सिडनी डायलॉग में ÷क्वाड देशों के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी को गहरा करने÷ के लिए बोलते हुए उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दुनिया भर में सर्वोत्तम प्रथाओं के खिलाफ बेंचमार्किंग, साइबर खतरों के खिलाफ महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए क्वाड के भीतर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से तकनीकी परिवर्तन का हमारा समय अलग नहीं है। यह प्रमुख वैश्विक चुनौतियों से मेल खाता है, जिसमें कोविड -19 द्वारा उत्पन्न तत्काल खतरों और जलवायु परिवर्तन और भू-रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से संबंधित आर्थिक व्यवधान शामिल हैं। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले वर्षों में प्रौद्योगिकी तकनीकी विकास को आकार देने वाले मानदंडों और मूल्यों को प्रभावित करने की बेहतर क्षमता में सहायता करेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी इस बात के केंद्र में है कि देश इन सभी चिंताओं का अब कैसे जवाब दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि स्पष्ट तथ्य यह है कि तकनीकी रूप से उन्नत देशों के पास अधिक आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य शक्ति है । ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया में प्रौद्योगिकी के मामले में बहुत कुछ समान है और दोनों देश पहले से ही साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, महत्वपूर्ण खनिजों और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर सहयोग कर रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सिडनी डायलॉग% को डिजिटली संबोधित करते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्षेत्र और दुनिया के लिए कल्याणकारी बताया।

जनरल नरवणे ने इजराइल रक्षा बल मुख्यालय का दौरा किया

तेल अवीव (एजेंसी)।

भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने इजराइल रक्षाबल मुख्यालय का दौरा किया, जहां उन्हें बहुक्षेत्रीय अवधारणा और बल के बारे में जानकारी दी गई। जनरल नरवणे इजराइल के साथ भारत के रक्षा तथा सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए पहली बार देश की यात्रा पर पहुंचे। भारतीय सेना ने एक ट्वीट में बताया कि जनरल नरवणे ने इजराइल रक्षा बल मुख्यालय का दौरा किया, जहां उन्हें बहु क्षेत्रीय अवधारणा और बल के बारे में जानकारी दी गई। जनरल नरवणे ने तटीय शहर हाइफा में भारतीय कब्रिस्तान का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान मारे गए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।भारतीय सेना प्रत्येक साल 23 सितंबर को तीन भारतीय घुड़सवार रेजिमेंट-मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर्स के सम्मान में हाइफा दिवस मनाती है, जिन्होंने हाइफा को मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई थी। मंगलवार को भारतीय थल सेना प्रमुख ने इजराइल की उत्तरी सीमा का दौरा किया था और उन्हें इजराइल रक्षा बल ने इलाके और सीमा प्रबंधन की जानकारी दी।

अमेरिका ने चीन-पाक और तालिबान को बताया धार्मिक स्वतंत्रता का दुश्मन, चिंता वाले देशों की लिस्ट में जोड़ा नाम

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान और तालिबान को धार्मिक स्वतंत्रता का दुश्मन बताया है। अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में लिप्त होने या उसे सहन करने के लिए 10 देशों की एक लिस्ट जारी की। इस सूची में चीन और पाकिस्तान विशेष चिंता वाले देशों की इस सूची में टॉप 5 पर नामित हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि बाइडेन प्रशासन प्रत्येक व्यक्ति के धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें इस मानवाधिकारों के उल्लंघन करने वालों का मुकाबला करना भी शामिल है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने कहा है, 'मैं म्यांमार, चीन, इरीट्रिया, ईरान, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता के व्यवस्थित, सतत और गंभीर उल्लंघनों में शामिल होने या सहन करने के लिए विशेष चिंता वाले देशों के रूप में नामित करता हूं।'ब्लिंकन ने कहा कि वह अल्जीरिया, कोमोरोस, क्यूबा और निकारागुआ को उन सरकारों के लिए विशेष निगरानी सूची में रख रहे हैं जो धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों में शामिल हैं या सहन कर रहे हैं। इसके साथ ही चार देशों अल्जीरिया , कोमरोस, क्यूबा और निकारागुआ को विशेष निगरानी सूची में रखा गया है। वहीं तालिबान जैसे कुछ आर्गेनाइजेशनों को विशेष चिंता वाली लिस्ट में शामिल किया गया है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने कहा, 'दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां की सरकार लोगों का शोषण केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वे अपनी मान्यता के अनुसार जीवन जीना चाहते हैं।'

अहमदिया मुस्लिम समुदाय ने पाक सरकार के उत्पीड़न खिलाफ UNSC अध्यक्ष को लिखा पत्र

जिनेवा (एजेंसी)।

अहमदिया मुस्लिम जमात ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (हस्ष्ट) के अध्यक्ष को पत्र लिखकर पाकिस्तान में अहमदियों के राज्य प्रायोजित उत्पीड़न पर प्रकाश डाला। सूचित किया कि इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार ने 20 से अधिक वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया है। परिषद के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पाक सरकार ने बिना किसी खास वजह व स्पष्टीकरण के अहमदिया मुस्लिम समुदाय की वेवसाइट बैन कर दीं हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के अध्यक्ष नज़हत शमीन को लिखे एक पत्र में अहमदिया मुस्लिम जमात के विदेश विभाग के प्रवक्ता अवेस ताहिर ने बताया कि पाकिस्तान में 2019 में सत्ता पीटीआई के नेतृत्व वाली इमरान खान सरकार के आने के बाद अहमदियों का उत्पीड़न तेज हो गया है। पत्र में उन्होंने सूचित किया कि पाकिस्तान अहमदिया मुस्लिम समुदाय से संबद्ध वेबसाइटों को लक्षित कर रहा है जिन्हें पाकिस्तान के बाहर होस्ट किया जाता है और विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित किया जाता है। ताहिर ने कहा कि अब पाकिस्तान सरकार अहमदिया मुस्लिम समुदाय के साथ दो और वेबसाइटों पर ईशनिंदा और अहमदिया विरोधी कानूनों का उल्लंघन का आरोप लगा कर प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रही है। पत्र में कहा गया है, ÷पाकिस्तान के अधिकारियों ने पहले ही पाकिस्तान में 5 देशों की 20 से अधिक अहमदी वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया है और दुनिया भर में मॉम नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न देशों में नागरिक समाज, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों और संसद सदस्यों तक पहुंच रहे हैं और उनसे इन आभासी सुनवाई में मॉनिटर के रूप में शामिल होने का अनुरोध कर रहे हैं। यह संभावित मामलों पर पाकिस्तानी सरकार को संबोधित करने का एक अनूठा अवसर है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार पाकिस्तानी सरकारें अहमदिया समुदाय के मानवाधिकारों और सुरक्षा की रक्षा करने में विफल रही हैं। दंड संहिता स्पष्ट रूप से धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव करती है और अहमदियों को ÷अप्रत्यक्ष रूप से या सीधे मुस्लिम के रूप में प्रस्तुत करने÷ से प्रतिबंधित करके लक्षित करती है।अहमदियों को अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से घोषित करने या प्रचार करने, मस्जिद बनाने या मुस्लिमों को नमाज़ के लिए बुलाने पर प्रतिबंध है। पुलिस अक्सर अहमदियों के खिलाफ उत्पीड़न और मनगढ़ंत आरोप लगाने में शामिल रही है ।

पाकिस्तानी संसद ने आदतन दुष्कर्मी को नपुंसक बनाने की दी मंजूरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में कई दुष्कर्मों के दोषी यौन अपराधियों को संसद द्वारा एक नया कानून पारित करने के बाद रासायनिक तरीकों से नपुंसक बनाए जाने का सामना करना पड़ सकता है। इस कदम का उद्देश्य सजा में तेजी लाना और कड़ी सजा देना है यह विधेयक देश में महिलाओं और बच्चों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में हालिया वृद्धि और अपराध पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने की बढ़ती मांगों के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश के फलस्वरूप लाया गया है। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पाकिस्तानी मंत्रिमंडल द्वारा पारित अध्यादेश पर मुहर लगाने के लगभग एक साल बाद यह विधेयक पारित हुआ है। विधेयक में दोषी की सहमति से उसे रासायनिक तौर पर नपुंसक बनाने और त्वरित सुनवाई के लिये विशेष अदालतों के गठन का आह्वान किया गया है। 'डान' अखबार के मुताबिक आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक 2021 विधेयक को बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में 33 अन्य विधेयकों के साथ पारित कर दिया गया। अखबार ने बताया कि यह पाकिस्तान दंड संहिता, 1860 और दंड प्रक्रिया संहिता, 1898 में संशोधन करना चाहता है। विधेयक के मुताबिक, रासायनिक तौर पर नपुंसक बनाना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे प्रधानमंत्री द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा विधिवत अधिसूचित किया जाता है, जिसके तहत एक व्यक्ति को अपने जीवन की किसी भी अवधि के लिए संभोग करने में असमर्थ बना दिया जाता है, जैसा कि अदालत द्वारा दवाओं के प्रशासन के माध्यम से निर्धारित किया जा सकता है जो एक अधिसूचित चिकित्सा बोर्ड के माध्यम से किया जाएगा।

तालिबान ने भारतीय दूतावास पर हमला करने वाले आंतकी को बनाया काबुल का गवर्नर, ISI-अल कायदा से हैं संबंध

(एजेंसी):

तालिबान ने एक बार फिर पाकिस्तान का पिट्ठू और भारत विरोधी होने का सबूत दे दिया है। तालिबान ने काबुल में भारतीय दूतावास पर हमला करने वाले आतंकवादी कारी बरियाल को अफगानिस्तान की राजधानी का नया गवर्नर नियुक्त किया है। बकारी बरियाल को अल-कायदा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ का बेहद करीबी व विश्वासपात्र माना जाता है। कारी बरयाल को काबुल का गवर्नर नियुक्त करने का निर्णय भारत के खिलाफ कदम माना जा रहा है। तालिबान द्वारा काबुल में भारतीय दूतावास पर हमला करने वाले समूह से यह दूसरी बड़ी नियुक्ति की है। बरियाल एक और बड़ा आंतकी नाम है जिसे तालिबान ने काबुल पर हमले के बाद नियुक्त किया है। इससे पहले काबुल पर हमला करने वाले मुल्ला ताज मीर जवाल को भी तालिबान ने खुफिया एजेंसी में अहम जिम्मेदारी दी थी। भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के मुताबिक यह फैसला नई दिल्ली को पसंद नहीं आया है। नियुक्ति संभवतः भारत और तालिबान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को जोड़ सकती है। बरयाल का नेटवर्क इतना मजबूत है कि वह अक्सर तालिबान, अल-कायदा, इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान, इस्लामिक जिहाद यूनियन, तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी और हिज्ब-ए-इस्लामी गुलबुद्दीन जैसे संगठनों के लड़ाकों द्वारा काबुल में हमले करता रहा है। माना जाता है कि बरियाल के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) और उसके सहयोगी समूहों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। बारयाल को हमले को अंजाम देने के लिए ईरान के विद्रोही समूह से पैसे मिलते रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बरियाल और उसका नेटवर्क पाकिस्तान से काबुल तक हथियार, विस्फोटक और आत्मघाती दस्ते पहुंचाने का काम कर रहा है।

तालिबान ने पिछले 3 महीनों में 200 हत्याओं व अपहरण के आरोपी किए गिरफ्तार

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान अधिकारियों ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने मजार-ए-शरीफ शहर और बल्ख प्रांत के जिलों में पिछले तीन महीनों के दौरान हत्या और अपहरण के आरोपी 200 लोगों को गिरफ्तार किया है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा विभाग के प्रमुख अब्दुल अबेद ने कहा, इस्लामिक अमीरात द्वारा सत्ता संभालने के बाद पिछले तीन महीनों के दौरान हमने हत्या, अपहरण और डकैती के 200 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और वे अदालतों का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से चालीस को दो सप्ताह के दौरान गिरफ्तार किया गया।

इस बीच, अब्दुल आबेद ने कहा कि इस्लामिक अमीरात ने प्रांत में रैंकों को शुद्ध करने और सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी है । अबेद ने कहा, आयोग प्रांत में नव स्थापित बलों की छंटनी और सुधार कर रहा है और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू कर दिया है।तालिबान ने पहले रैंकों को शुद्ध करने और उत्तरी अफगानिस्तान में सेना के भीतर सुधार लाने के लिए एक आयोग की स्थापना की है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार मजार-ए-शरीफ में कोर के प्रमुख अताउल्लाह ओमारी ने कहा कि आयोग ने उत्तर में इस्लामिक अमीरात के नाम का दुरुपयोग करने वालों को पहचानने और उन्हें दंडित करने का संकल्प लिया है। आयोग इस्लामिक स्टेट (दाएश) से इस्लामिक अमीरात बलों में घुसपैठियों को रोकने के लिए काम करेगा। 2014 के अंत में दाएश पहली बार अफगानिस्तान के नंगरहार में उभरा। इसका कट्टर लक्ष्य शरिया कानून को लागू करना है और चेतावनी दी है कि दुनिया में जो कोई भी इस्लाम और कुरान के खिलाफ जाएगा उसे आतंकवादी समूह के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। 15 अगस्त 2021 के बाद से दाएश ने कई प्रांतों में आत्मघाती हमलों और लक्षित बम विस्फोटों का घातक सिलसिला छेड़ा है और दर्जनों लोगों की जान ली है।

सुविचार जबतक कष्ट सहने की तैयारी नहीं होती तब तक लाभ दिखाई नहीं देता। लाभ की इमारत कष्ट की धूप में ही बनती है। - विनोबा भावे

संपादकीय

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक गुरु को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। यहाँ तक कि सभी धर्मों में पूर्ण गुरु को परमात्मा के समान माना गया है। आज दुनियाभर में हम सब गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व मना रहे हैं। उन जैसे पूर्ण गुरु सृष्टि की शुरुआत से ही इस धरती पर हमारी आत्मा को पिता-परमेश्वर से मिलाने के लिए आते रहे हैं। गुरु नानक देव जी महाराज का जन्म सन् 1469 ई0 को कार्तिक मास की पूर्णिमा को तलवंडी शहर (पाकिस्तान) में हुआ था।

गुरु नानक देव जी महाराज सिर्फ सिक्खों के लिए ही नहीं थे, बल्कि वे संपूर्ण मनुष्य जाति के लिए थे जैसे संपूर्ण मनुष्य जाति उनके लिए थी। ऐसे महापुरुष इस धरती पर रोशनी की एक किरण बनकर आते हैं और अपने रूहानी नूर से 84 लाख जियाजून में फंसी हुई आत्माओं को पिता-परमेश्वर से एकमेक कर देते हैं। उनके मुख्य उपदेशों में च्किरत करो, नाम जपो और वंड छकोज्ज प्रमुख हैं। जिससे तात्पर्य है कि इंसान अपनी मेहनत की कमाई करता हुआ प्रभु का सिमरन करे और सबके साथ मिल-बाँटकर खाए।

गुरुबाणी में गुरु नानक देव जी महाराज इस संसार के बारे में फरमाते हैं, "नानक दुखिया सब संसारज्ज कि इस दुनिया में हरेक इंसान दुःखों से घिरा हुआ है। कोई न कोई दुःख सबको लगा हुआ है। हर इंसान सोचता है कि सबसे ज़्यादा दुःख मुझे है। अगर देखा जाए तो जब तकलीफ आती है तभी हम प्रभु को याद करते हैं और जब सब कुछ ठीक हो जाता है, फिर हम अपने कार्यों में मस्त हो जाते हैं। ये दुःख और सुख का चक्र हमारे जीवन में चलता रहता है। तो अब ये सवाल उठता है कि हम हमेशा-हमेशा के सुख को कैसे पा सकते हैं? इस बारे में परम संत कृपाल सिंह जी महाराज अक्सर फरमाया करते थे कि च्सो सुखिया जो नाम आधार ध्ज यानि जो व्यक्ति पिता-परमेश्वर के नाम के साथ जुड़ गया वही सुखी है। नाम के साथ जुड़ने के लिए हमें किसी पूर्ण गुरु की शरण में जाना होगा, जो हमें अपनी दयामेहर से प्रभु की ज्योति और श्रुति से जोड़ देते हैं, जिसे गुरुबाणी में 'नाम' कहा गया है और जिसका अनुभव हम अपने अंतर ध्यान-अभ्यास के द्वारा कर सकते हैं।

ध्यान-अभ्यास के द्वारा हमें अपने आपको असली रूप में देखते हैं। यह वो रूप है जो शारीरिक नहीं बल्कि आत्मिक है। वो आत्मा जो पिता-परमेश्वर का अंश है और उनके प्रेम से भरपूर है। वो आत्मा जो चेतन है, और जो हमें जान दे रही है। जब हमारी आत्मा पिता-परमेश्वर के प्रेम का अनुभव करती है तो वो हर समय प्रभु-प्रेम की मस्ती की अवस्था में रहती है।

मस्ती की इस अवस्था को गुरु नानक देव जी महाराज ने अपनी बाणी में कहा है कि, च्नाम खुमारी नानका, चढ़ी रहे दिन रातज्ज। जो नाम की खुमारी है, जो प्रभु का अमृत हमारे अंदर बरस रहा है, जब ध्यान-अभ्यास के द्वारा हम अपने अंतर में उसका अनुभव करते हैं तो उसकी मस्ती और उसका आनंद दिन-रात चौबीस घंटे हमारे साथ रहता है और जब हमारी आत्मा यह अनुभव करती है तो उसका मिलाप पिता-परमेश्वर से हो जाता है।

गुरु नानक देव जी महाराज ने च्एक पिता एकस के हम बारिकज्ज के संदेश को भी समस्त संसार में फैलाया। उनके इस उपदेश के अनुसार हम सब एक ही पिता-परमेश्वर के परिवार के सदस्य हैं। इसलिए हम आपस में प्रेम-प्यार से रहें और एक-दूसरे की मदद करें। जब हम ऐसा जीवन व्यतीत करते हैं तो हम अपने भीतर प्रभु के प्रेम का अनुभव करते हैं और ऐसे महापुरुष इसी प्रभु के प्रेम को हम सबको बांटने के लिए इस धरा पर आते हैं। जिससे कि हमें जिंदगी जीने की सही राह मिलती है। ऐसे पूर्ण गुरु हमें समझाते हैं कि हम अपने जीवन के परम लक्ष्य अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना को इसी जीवन में पूरा कर सकते हैं।

आईये! गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व को हम सही मायनों में तभी मना सकते हैं, जब हम उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में ढालें और उन पर अमल करें।

मन

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संतुलित मस्तिष्क की पहचान यह नहीं है कि वह शिथिलता, निष्क्रियता अपनाये और संसार को माया मिथ्या बताकर बे सिर-पैर उड़ाने उड़ने लगें। विवेकवान उद्विग्नता छोड़ने पर पलायन नहीं करते। वे कर्तव्य क्षेत्र में अंगद की तरह अपना पैर इतनी मजबूती से जमाते हैं कि असुर समुदाय पूरी शक्ति लगाकर भी उखाड़ने में सफल न हो सके। प्रलोभनों और दबावों से जो उबर सकता है, उसी के लिये यह सम्भव है कि उत्कृष्टता को वरण करे और आंधी-तूफानों के बीच भी अपने निश्चय पर चट्टान की तरह अडिग रहे। इसके लिए उदाहरण, प्रमाण ढूंढ़ने हों, साथी, सहचर, समर्थक ढूंढ़ने हों तो इर्द-गिर्द नजर न डालकर महामानवों के इतिहास तलाशने पड़ेंगे। अपने समय में या क्षेत्र में यदि वे दिख न पड़ते हो तो भी निराश होने की आवश्यकता नहीं। इतिहास में उनके अस्तित्व और वर्चस्व को देखकर अभीष्ट प्रेरणा प्राप्त की जा सकती है और विश्वास किया जा सकता है कि महानता का मार्ग ऐसा नहीं है, जिस पर चलने से यदि लालची सहमत न हो तो छोड़ देने की बात सोची जाने लगे। वैभववानों की एक अपनी दुनिया है। किन्तु सोचना यह नहीं चाहिए कि संसार इतना ही छोटा है। इसमें एक क्षेत्र ऐसा भी है जिसे स्वर्ग कहते हैं। उसमें सत्प्रवृत्तियों का वर्चस्व है और अपनाने वाले जो भी उसमें बसते हैं, देवोपम स्तर का वरण करते हैं। दैत्यों के संसार में सोने की लंका बनाने और दस सिर जितनी चतुरता और बीस भुजाओं जैसी बलिष्ठता हो सकती है, किन्तु उतना ही सब कुछ नहीं है। भागीरथों, हरिश्चंद्रों, प्रह्लादों और दधीचियों जैसी भी एक बिरादरी है। बुद्ध, चैतन्य, नानक, कबीर, रैदास, गांधी, विनोबा जैसे अनेकों ने उसमें प्रवेश पाया है। दयानन्दों और विवेकानन्दों का भी अस्तित्व रहा है। संख्या की दृष्टि से कमी पड़ते देखकर किसी को भी मन छोटा नहीं करना चाहिए। समूचे आकाश में सूर्य और चन्द्र जैसी प्रतिभाएं अपने पराक्रम से संव्याप्त अन्धकार से निरन्तर लड़ती रहती हैं। हार मानने का नाम नहीं लेती। समुद्र में मणि मुक्तक तो जहां-तहां ही होते हैं, सीपों और घोंघों से ही उसके तट पटे पड़े रहते हैं। बहुसंख्यकों को बुद्धिमान अथवा अनुकरणीय मानना हो तो फिर उद्दिजों की बिरादरी को वरिष्ठता देनी पड़ेगी। यह बहुमत वाला सिद्धान्त मनुष्य समाज पर लागू नहीं हो सकता। श्रेष्ठता ही सदैव जीतती रही है, श्रेय पाती रही है। हमें अपनी दृष्टि नाव के मस्तूल पर, प्रकाश स्तम्भ पर रखनी चाहिए।

निरासक्त सन्त देवरहा बाबा जी .की पुण्यतिथि शत शत नमन करते हैं भक्त गण

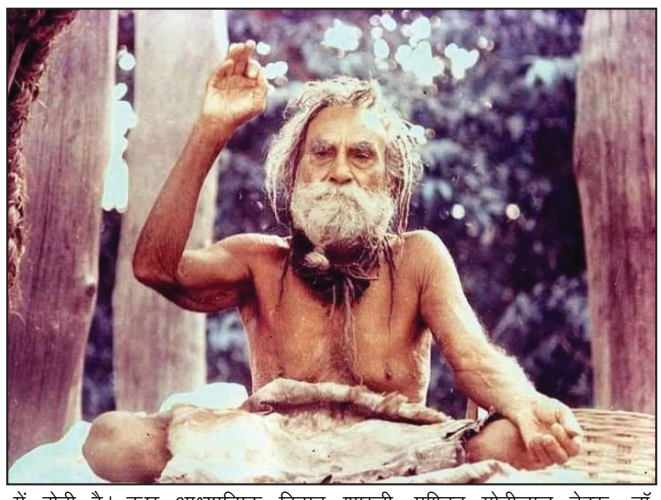

भारतीय सन्तों की लीलाएँ अजब-गजब रहती हैं। कोई निर्वस्त्र रहता है, तो कोई केवल टाट पहन कर। कोई सालों मौन रहता है, तो कोई एक टाँग पर खड़े रहकर ही 10-20 साल बिता देता है। इस लीला को समझना आसान नहीं है। हिन्दू विरोधी या उथले मस्तिष्क के लोग इसे भले ही ढोंग कहें; पर आम हिन्दू इन्हें श्रद्धा से ही देखता है।

ऐसे ही एक सन्त थे देवरहा बाबा, जो नदी के किनारे या बीच में मचान पर रहते थे तथा वहीं से भक्तों को दर्शन देते थे। नदी का तटवर्ती क्षेत्र देवरहा कहलाता है, इसलिए इनका नाम ही देवरहा बाबा पड़ गया। बाबा का जन्म कब और कहाँ हुआ, उनके माता-पिता और उनका असली नाम क्या था, उनकी शिक्षा कहाँ हुई, उनके गुरु कौन थे, यह किसी को नहीं मालूम। वे प्रायः वृन्दावन, प्रयाग, काशी और देवरिया में रहते थे और बीच-बीच में देहरादून और हरिद्वार की यात्रा किया करते थे। प्रयाग में वे माघ मेले के समय गंगा जी के प्रवाह के बीच मचान बनाकर रहते थे।

बाबा के दर्शन के लिए दूर-दूर से प्रतिदिन हजारों लोग आते थे। वे अपनी मस्ती में रहकर सबको अपने हाथ या पैर से स्पर्श कर आशीर्वाद देते थे। बाबा प्रचार एवं प्रसिद्धि से दूर रहते थे। एक बार एक प्रख्यात लेखक ने उनकी जीवनी लिखने के लिए उनसे सम्पर्क किया, तो उन्होंने स्पष्ट मनाकर दिया।

बाबा की गणना स्वामी अखण्डानन्द और भक्ति वेदान्त प्रभुपाद जी की श्रेणी में होती है। कुछ आध्यात्मिक विद्वान् उन्हें प्रयाग के लाहिड़ी महाशय और अवतारी बाबा की श्रेणी का योगी मानते हैं। बाबा के बारे में पूज्य माँ आनन्दमयी ने एक बार कहा था उस समय उनके दो समकालीन योगी हिमालय में समाधि लगाये हैं। माँ ने बाबा की कृपा से उनके दर्शन का सौभाग्य पाया था।

बाबा के शिष्यों तथा प्रशंसकों में जयपुर के महाराजा मानसिंह, नेपाल के 17 पीढ़ी पूर्व के महाराजा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह, राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद और डा. जाकिर हुसेन, इंग्लैण्ड के जॉर्ज पंचम, प्रधानमन्त्री लालबहादुर शास्त्री, पण्डित मोतीलाल नेहरू, डॉ. सम्पूर्णानन्द, महमूद बट्ट जैसे राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, सन्त और समाजसेवी शामिल थे।

वे सदा भूखों को भोजन, वस्त्रहीन को कपड़ा, अशिक्षित को शिक्षा और मनुष्य ही नहीं समस्त जीवों को चिकित्सा देने की बात कहते थे। बाबा ने अपनी शरण आने वाले हर व्यक्ति के कष्टों का निवारण किया। उन्होंने गरीब कन्याओं के विवाह और विधवाओं के लिए सेवा प्रकल्प चलाने, यमुना को स्वच्छ करने, वृक्षारोपण कर पर्यावरण रक्षा के निर्देश अपने शिष्यों को दिए थे।

बाबा दूरद्रष्टा थे। एक बार विश्व हिन्दू परिषद् के श्री अशोक सिंहल उनके दर्शन को गये। उन दिनों राम मन्दिर आन्दोलन चल रहा था। अशोक जी ने उनसे इस बारे में पूछा, तो बाबा बोले - बच्चा, चिन्ता मत कर। लाखों लोग आयेंगे और इसकी एक-एक ईंट उठाकर ले जायेंगे। राममन्दिर के निर्माण को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकेगी।

किसी को उनकी बात पर विश्वास नहीं हुआ; पर छह दिसम्बर 1992 को सचमुच ऐसा ही हुआ, जब देश भर से आये लाखों कारसेवक बाबरी ढाँचे की ईंटे तक उठाकर ले गये।

दुनिया भर के लाखों लोगों के प्रेरणास्त्रोत पूज्य देवरहा बाबा ने 19 नवम्बर, 1990 को वृन्दावन में अपनी देहलीला समेट ली।

लेखक चंद्रकांत सी पूजारी गुजरात सुरत

नीला जहर रोकने को चाहिए तकनीकी ताकत

प्रमोद भार्गव

बच्चों के यौन शोषण और उससे संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर परोसने और प्रसारित करने के मामले में 83 लोगों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। देश के 14 राज्यों के 76 ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी की इस मुहिम से पता चला है कि लगभग पूरे देश में अश्लीलता का यह जंजाल नशे के कारोबार की तरह फैल गया है। यही नहीं, अनेक महाद्वीपों में फैले सौ देशों के नागरिक इस गोरखधंधे में शामिल हैं। शहर तो शहर, मध्य प्रदेश के डबरा तहसील के ग्राम अकबई में भी बाल यौन शोषण से जुड़ी अश्लील फिल्में बनाने का कारोबार फैल चुका है। 31 सदस्यों वाला व्हाट्सएप समूह जांच का मुख्य केंद्र बिंदु है। इन आरोपियों को सूचीबद्ध तो कर लिया है, किंतु ताकतवर होने के कारण कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें अनेक सोशल साइट व एपों पर अपलोड करने के मामले में पिछले दिनों फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया था। वे अश्लील फिल्में बनाने, बेचने और इससे धन कमाने के धंधे में शामिल थे। तीन महिलाओं ने उनके विरुद्ध शिकायत की थी। कुंद्रा के साथ काम करने वाली कुछ लड़कियां अंतर्राष्ट्रीय पोर्नोग्राफी गिरोह के शिंकजे में भी पाई गई थीं। इस मामले में कुंद्रा को पोर्न फिल्म रैकेट का मुख्य साजिशकर्ता माना है। पता चलता है कि फिल्म, टीवी, सोशल मीडिया और आईटी कंपनियों की अनेक हस्तियां इस नीले कारोबार से जुड़ी हैं। मोबाइल व कंप्यूटर पर इंटरनेट की घातकता का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले सीबीआई ने बच्चों के अश्लील वीडियो और फोटो बेचने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया था। इस मामले में मुंबई के एक टीवी कलाकार को भी गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी ने अमेरिका, यूरोप और दक्षिण एशियाई देशों में एक हजार से अधिक लोगों को ग्राहक बनाया हुआ था। सीबीआई ने इसे पास्को एक्ट व अन्य धाराओं के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। दिल्ली में भी इसी प्रकार की घटी एक घटना में 27 किशोर दोस्त सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर एक समूह बनाकर अपने साथ पढ़ने वाली छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार की षड्यंत्रकारी योजना बना रहे थे। ये सभी दक्षिण दिल्ली के महंगे विद्यालयों में पढ़ते थे और 11वीं व 12वीं के छात्र होने के साथ अति धनाढ्य परिवारों से थे। साफ है, स्मार्ट मोबाइल में इंटरनेट और सोशल साइटें बच्चों का चरित्र खराब करने का बड़ा माध्यम बन रही हैं और इस कारोबार में सेलिब्रिटीज शामिल हैं। अश्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंदौर के नागरिक कमलेश वासवानी ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतरित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण तो बन ही रही हैं, सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार-तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं दर्शक संख्या भी बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की ठोस पहल करे। लेकिन पिछले 15 साल से इस समस्या का कोई हल नहीं खोजा जा सका है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियंताओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे इंजीनियर इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं? चीन यहीं नहीं रुका, उसने अब

गूगल की तरह अपने सर्च-इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस तथ्य से दो आशंकाएं प्रगट होती हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे, इसे इसलिए भी नहीं हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। अमेरिका, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च-इंजन बनाने की तकनीक दें? लेकिन दिक्कत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं हैं। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने स्रोतों से विकसित करनी होगी।

सू-दोकू नवताल - 1965

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

सू-दोकू 1964 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1965

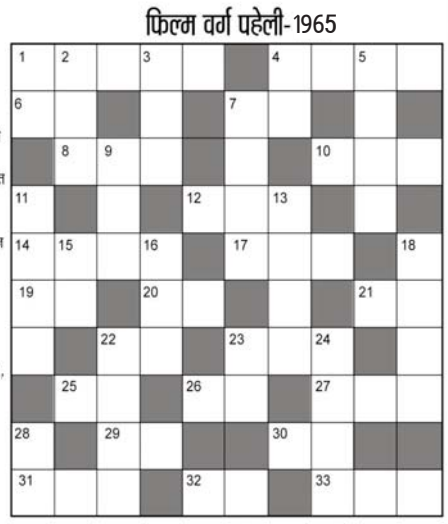

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरन, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1964

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र,

नौनिहालों के लिए विशेष सुरक्षा है जरूरी

चारों तरफ लगातार बढ़ते प्रदूषण का असर हमारी सेहत पर किस तरह पड़ रहा है, इस बारे में अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं। चाहे वह हमारे आस-पास की हवा हो जिसमें हम सांस लेते हैं या फिर जो पानी हम पी रहे हैं, हर जगह बढ़ते प्रदूषण की मार तो है ही, उस पर से खाने की चीजों में मिलावट अलग। इस वजह से स्थिति और बुरी होती जा रही है। साथ ही इस बात को खास तौर पर समझने की जरूरत है कि बच्चों पर इसका असर कुछ ज्यादा होता है। बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता ज्यादा नहीं होती। इसलिए वयस्कों के मुकाबले उनके बीमार होने की आशंका भी ज्यादा होती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता दो तरह से बढ़ती है। जानकार बताते हैं कि आम तौर पर जब हम बाहर के किसी संक्रमण के शिकार होते हैं, तब हमारा शरीर अपने आप उस संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसे एंटीबाडी कहते हैं। शरीर में ऐसे एंटीबाडी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की क्षमता कमोबेश सभी में मौजूद होती है। मगर कुछ मामलों में हमारा शरीर बाहरी हमले से लड़ने के लिए सक्षम नहीं होता। उन खतरों से बचने के लिए हम विशेष तरीका अपनाते हैं। इसमें हम शरीर को बाहर से ऐसे एंटीबॉडी उपलब्ध करवाते हैं, जिससे वह संक्रमण से लड़ने के लिए पहले से तैयार हो। विभिन्न तरह के टीके इसी तैयारी के तहत लगाए जाते हैं।

विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए अब हमारे पास कई तरह के टीके उपलब्ध हैं। इसलिए अब यह सलाह दी जाती है कि सभी बच्चों को तय उम्र पर इन टीकों की नियत खुराक जरूर दी जाए। कुछ टीकों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम अवधि के लिए होती है। ऐसे में उसका बूस्टर डोज भी देना होता है। हालांकि यह भी सच है कि अधिकांश टीके सीमित क्षमता वाले ही होते हैं। यानी शायद ही ऐसा कोई टीका हो, जिसके बारे में यह दावा किया जा सके कि यह संबंधित रोग से सौ फीसदी सुरक्षा उपलब्ध करवा देगा। लेकिन ये टीके(वैक्सीन्स) उस रोग की आशंका को काफी सीमित कर देते हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से ले कर विभिन्न देशों की सरकारें तक इनकी सिफारिश करती हैं।

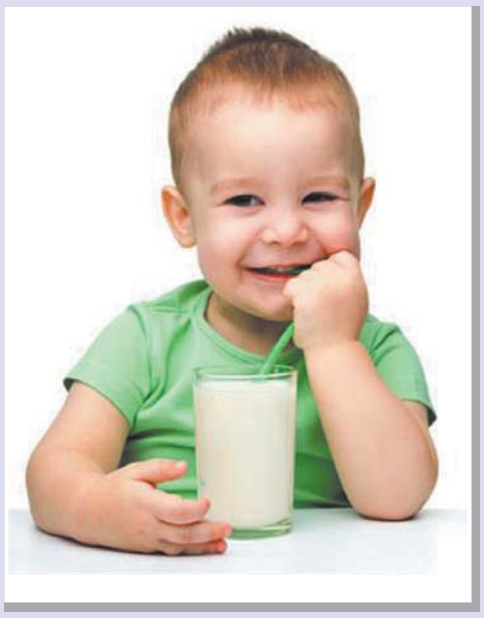

पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य

इन दोनों उपायों के साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्चों की खुराक में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों को भरपूर रूप से शामिल किया जाए। नवजात बच्चों के लिए मां का दूध रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़े बच्चों में यह काम फलों, सब्जियों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों के जरिए हो सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हरी सब्जियां और फल दें। मौसमी फल खास तौर पर बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। मौसमी फलों की खास बात यह होती है कि ये एक तरफ तो बहुत स्वादिष्ट होते हैं वहीं इनकी कीमत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि बाजार में जिस मौसम में जो फल सबसे सस्ते मिल रहे हों, उसी को खरीदें। बच्चों को दिन भर में पांच बार अलग-अलग रूप में फल और सब्जियां दी जा सकती हैं। हालांकि यह बहुत कुछ बच्चों की रुचि पर निर्भर करता है, लेकिन छोटे बच्चे के लिए इसकी हर खुराक औसतन दो बड़ी चम्मच के बराबर और बड़े बच्चों के लिए एक कप के बराबर हो सकती है।

बच्चों को चारों ओर से होने वाले जीवाणुओं और विषाणुओं (वाइरस) के हमले से सुरक्षा देना बेहद जरूरी है। नवजात बच्चा एक हद तक विषाणुओं से भले लड़ ले, लेकिन जीवाणुओं से मुकाबला करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। उस पर से अगर वह 37 हफ्तों के गर्भाधारण से पहले हुआ हो, तब तो उसमें यह क्षमता बहुत कम होती है। छोटे बच्चों को अपने अभिभावकों और परिवार वालों से भी बैक्टीरिया पहुंचने का खतरा होता है। परिवार वालों के हाथ, नाक और मुंह में मौजूद जीवाणु(बैक्टेरिया) उन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों को छूने से पहले अच्छी तरह साबुन से हाथ धोना जरूरी है।

इन बातों पर दें ध्यान

अगर बच्चा समय से बहुत पहले हुआ है, तब तो और ज्यादा सावधानी बरतनी होती है। बड़े बच्चों को भी ऐसे संक्रमण के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें बताना होगा कि ये बैक्टीरिया उन तक कैसे पहुंचते हैं। शौचालय और कचरे आदि से ही नहीं, हमारे घरों के दरवाजों के हैंडल तक से ये बैक्टीरिया उन तक पहुंच सकते हैं।

इसलिए उनमें मुंह, नाक, आंख, कान आदि में अंगुली करने की आदत नहीं पड़ने देनी चाहिए। इसी तरह हर बार खाना खाने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए। अगर किसी बच्चे को छींक या खांसी आती है, तो इस दौरान उसे अपने मुंह को ढककर रखने की सलाह भी दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखिए कि ये उपाय बच्चों को बीमारियों से बचाते जरूर हैं, लेकिन उसे सौ फीसदी सुरक्षित नहीं करते।

रसीली गाजर के 10 मीठे गुण

लाल और मीठी गाजर को देखकर तुंरत हलवे की याद आ जाती है। निश्चित तौर पर गाजर के इस्तेमाल से बनने वाला हलवा है ही इतना लाजवाब। गाजर न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि इसमें आपको तंदुरुस्त रखने के लिए बहुत सारे खास गुण होते हैं। यह आपको स्वस्थ रखने के साथ साथ आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ाती है। गाजर का नियमित इस्तेमाल आपके बालों और त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी है। गाजर के ज्यूस को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बना लीजिए क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ बहुत गुणकारी है।

1. गाजर के ज्यूस को खास गुणों से भरपूर बनाने का काम इसमें मौजूद बीटा-केरोटिन, विटामिंस और पोटेशियम करते हैं। बीटा-केरोटिन से गाजर विटामिन, का सबसे प्रभावकारी स्त्रोत बनती है। गाजर से शरीर के इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है। विटामिन, से न केवल आपकी आंखों की रोशनी बढ़ती है बल्कि गाजर के ज्यूस का नियमित इस्तेमाल दिल की बीमारियों से भी आपको बचाए रखता है।
2. गाजर के ज्यूस में होने वाला पोटेशियम शरीर में कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करता है। गाजर में लीवर को ठीक रखने का भी गुण होता है। पोटेशियम, मैगनीज और मैगनेशियम के साथ मिलकर ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य रखता है और इस तरह से शरीर में डायबीटिज के खतरे को कम करता है।
3. ग़ाजर के ज्यूस में विटामिन च होता है जो कि चोट लगने पर रक्त के थक्के जमने में मदद करता है और खून का बहना रोकता है। विटामिन च चोट ठीक करने में कारगर है। गाजर में मौजूद विटामिन ष्ट घाव ठीक करने के साथ साथ मसूडों को भी स्वस्थ रखता है।
4. गाजर के ज्यूस में कैंसर से लड़ने का गुण होता है। इसमें केरोटेनोइड नाम का एक खास तत्व होता है जिसे प्रोस्टेट, कोलोन, और स्तन कैंसर से लड़ने में बहुत ही कारगर समझा जाता है।
5. गाजर का ज्यूस शरीर में प्रोटीन की कमी को भी पूरा करने के साथ साथ शरीर को पर्याप्त मात्रा में केल्सियम भी प्रदान करके हड्डियों को मजबूती देता है।
6. गाजर का ज्यूस लीवर को साफ करता है। शरीर में पैदा होने वाले विभिन्न तरह के जहर गाजर के ज्यूस के उपयोग से बाहर निकल जाते हैं। गाजर का ज्यूस लीवर को ताकत देकर उसकी काम करने की क्षमता बढ़ाता है। गाजर का ज्यूस वजन कम करने में भी मदद करता है।
7. गाजर का ज्यूस बच्चे के गर्भावस्था के लिए खास तौर पर लाभकारी है। इसके उपयोग से बच्चे और मां दोनों के स्वास्थ्य में सुधार आता है।
8. गाजर के ज्यूस से मां के दूध की गुणवत्ता बढ़ जाती है।
9. गाजर का ज्यूस गर्भ में पल रहे बच्चे को इन्फेक्शंस से बचाए रखता है।
10. गाजर का ज्यूस वजन करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए बहुत कारगर है क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। कम कैलोरी के कारण यह बहुत अच्छा हेल्दी ड्रिंक है। गाजर का ज्यूस अपने खास गुणों के कारण लगभग सभी डाइट प्लान का हिस्सा बनता है।

सर्दियों में कैसे बचें जुकाम से

सर्दियों में जुकाम दुनियाभर के लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे आम बीमारी है। 100 से भी ज्यादा वायरस ऐसे हैं, जो इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और यह बहुत आसानी से फैलता है। इसलिए जुकाम फैलाने वाले वायरसों के संक्रमण से बचना काफी मुश्किल हो जाता है। शरीर में पहुंचने के बाद ये वायरस संख्या में बढ़ना शुरू होते हैं, जिससे ये लक्षण दिखाई देना शुरू होते हैं।

- गले में खराश, छींके एवं नाक बहना।
- आंखों से पानी निकलना।
- बदन दर्द एवं खांसी।
- सांस लेने में परेशानी या हल्का बुखार आने

जैसे कई लक्षण सामने आते हैं।

आमतौर पर जुकाम 1-2 हफ्तों में ठीक हो जाता है। चिकित्सकों का मानना है कि इसके वायरस की उम्र 7 दिन की होती है। आमतौर पर यह किसी औषधि से नहीं मरता। औषधियां केवल लक्षणों को ठीक करने के लिए दी जाती हैं। यह कहावत बहुत आम है कि जुकाम दवाएं खाएं तब भी 7 दिन में ठीक होता है और नहीं खाएं तब भी एक हफ्ते में ठीक होता है।

क्या करें..

सर्दी होने पर अनावश्यक मेहनत से बचना चाहिए। रूटीन के काम कर सकते हैं, लेकिन इस दौरान धूल और धूएं से बचना चाहिए, नहीं तो हालत बिगड़ सकती है। भरपूर आराम के साथ ही पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए, विशेषकर फलों का रस जरूर लें। जुकाम के कारण पाचन तंत्र भी निष्क्रिय पड़ जाता है, इसलिए हल्के, सुपाच्य खाद्य पदार्थ थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लें। कफ सिरप आदि दवाओं से लक्षणों में राहत मिल सकती है, लेकिन ये जुकाम का बचाव या इलाज नहीं होता है, न ही इनसे बीमारी जल्दी ठीक होती है।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए फिलहाल कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन बीमार न पड़ें, इसके लिए कुछ उपाय जरूर किए जा सकते हैं। अपने आहार की ओर ध्यान दें, प्रतिदिन ऐसा आहार लें, जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों, पर्याप्त नींद लें और व्यायाम भी करें। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहेगी।

बच्चों और बुजुर्गों को हीटर के सामने नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा रुखी होकर फट सकती है। त्वचा की दरारों के जरिए संक्रमण शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं।

देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से कम हो जाती है उम्र

दफ्तरों में देर तक कुर्सी पर बैठे रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी की तरह सामने आए एक शोध में बताया गया है कि अधिक देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से उम्र कम हो जाती है।

बीएमजे ओपन नामक ई मैगजीन में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अमेरिका जैसे देश में अधिक टीवी देखने अथवा बैठे रहने वाले व्यक्ति कम जीते हैं। यह निष्क्रियता उम्र घटाने का काम करती है।

आंकडों से पता चला कि कुर्सी पर जमे रहने से होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने का खतरा 27 फीसदी और टेलीविजन देखने से होने वाली बीमारियों से मौत होने का खतरा 19 फीसदी होता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर दफ्तरों में कोई व्यक्ति महज तीन घंटे प्रतिदिन ही कुर्सी पर बैठता है, तो उसकी उम्र में दो वर्षों का इजाफा हो सकता है। इसके अलावा टेलीविजन देखने के समय में प्रतिदिन दो घंटों की कमी करने से भी उम्र में 1.5 वर्षों का इजाफा होता है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों को शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आए शोधों से पता चलता है कि दफ्तरों के व्यस्त माहौल और कुर्सी पर बिताए जाने वाले समय का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है और इसके फलस्वरूप विभिन्न बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें रक्तचाप, हृदय रोग इत्यादि प्रमुख हैं। टेलीविजन इत्यादि देखने में अधिक समय बिताने से भी निष्क्रियता को बढ़ावा मिलता है, जिससे इन बीमारियों के बढ़ने की संभावना रहती है।

पेटीएम का शेयर 650 रुपए लुढ़का

मुंबई । देश के सबसे बड़े आईपीओ पेटीएम में निवेश करने वाले निवेशक इस आईपीओ के बाजार में लिस्ट होते ही लुट गए। इस आईपीओ का इश्यू प्राइज 2250 रुपए था लेकिर गुरुवार सुबह यह शेयर बीएसई पर 1955 रुपए पर लिस्ट हुआ। निवेशकों की बदकिस्मती यह रही कि पेटीएम का आईपीओ लिस्ट होने के बाद बाजार अचानक टूट गया। लिस्टिंग में आई गिरावट के साथ ही पेटीएम के शेयर में भी जबरदस्त गिरावट आई और यह 1586 तक लुढ़क गया। सुबह 11 बजे तक शेयर इश्यू प्राइज से 650 रुपए नीचे कारोबार कर रहा था। देश के अब तक के बड़े आईपीओ रिटर्न के लिहाज से निवेशकों को निराश करते रहे हैं।

पंजाब एंड सिंध बैंक को 2020-21 में 2,750 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने वित्त वर्ष 2020-21 के घाटे को 2,750 करोड़ रुपए पर समायोजित किया है। बैंक ने बताया कि परिसंपत्ति वर्गीकरण में भिन्नता होने से उसका पिछले वित्त वर्ष का घाटा बढ़कर 2,750 करोड़ रुपए रहा। पहले उसने यह घाटा 2,733 करोड़ रुपए रहने की बात कही थी। बैंक ने अपनी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का आकार 9,334 करोड़ रुपए बताया है जो कि रिजर्व बैंक द्वारा आकलित 9,363 करोड़ रुपए से कम है। इस तरह उसके परिसंपत्ति में 29 करोड़ रुपए का अंतर देखा गया। इसी तरह बैंक का एनपीए भी 29 करोड़ रुपए बढ़ गया।

टाटा मोटर्स की वाहन कबाड़ केंद्र स्थापित करने की योजना

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स फ्रैंचाइजी मॉडल के तहत वाहन कबाड़ केंद्र (स्क्रैपेज सेंटर) स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी का पहला केंद्र अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी के एक व रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में एक वाहन कबाड़ केंद्र की स्थापना के लिए गुजरात सरकार के साथ समझौता किया था। टाटा मोटर्स (वाणिज्यिक वाहन) के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष गिरीश वाघ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में हर साल लगभग 25,000 ट्रक कबाड़ में बदले जाते है और हमारे पास उसके लिए उचित व्यवस्थित सुविधा नहीं है। अब हमने एक यूरोपीय विशेषज्ञ के साथ करार किया है और उसकी मदद से हमने एक मॉडल कबाड़ केंद्र बनाया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने फ्रैंचाइजी भागीदारों को कबाड़ केंद्र स्थापित करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) भेजना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में तैयार किए जाने वाले कबाड़ केंद्र में एक साल में 36,000 यात्री और वाणिज्यिक वाहनों को कबाड़ में बदला जा सकेगा।

बीएसएनएल ने बदला 187 का प्रीपेड प्लान

मुंबई। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने 187 रुपए वाले अपने प्रीपेड प्लान को बदल दिया है। भारत संचार निगम लिमिटेड ने 187 रुपए वाले अपने प्रीपेड प्लान को बदल दिया है। पहले से ज्यादा मुनाफे इस प्लान में जोड़ दिए हैं। अब इस प्लान में ग्राहकों को 24 दिन की जगह 28 दिन की वैलिडिटी मिलती है। कंपनी ने इस प्लान को पहले से बेहतर कर दिया है। कंपनी ने इस प्लान में मिलने वाला डेटा लिमिट में भी बदलाव किया है। ये प्लान कंपनी के दूसरे अनलिमिटेड कॉलिंग वाले प्रीपेड प्लान्स 147 रुपए, 247 रुपए और 447 रुपए के साथ मिल जाएगा। इससे पहले कंपनी ने अपने 56 रुपए, 57 रुपए और 58 रुपए वाले प्लान्स में भी बदलाव किए हैं। बदलाव करनेके बाद बीएसएनएल के अब 56 रुपए वाला प्लान 54 रुपए में, 57 रुपए वाला प्लान 56 रुपए और 58 रुपए वाला प्लान 57 रुपए में मिल रहा है। कंपनी ने प्लान्स को सस्ता कर दिया है। अब इस बदले हुए ये प्लान में ग्राहकों को 2जीबी डेटा, 28 दिन की वैलिडिटी और अनलिमिटेड कॉल्स का फायदा मिलेगा। अनलिमिटेड कॉल्स का फायदा ग्राहकों को मुंबई-दिल्ली के एमटीएनएल के नेटवर्क पर भी मिलेगा। बता दें प्लान के 2जीबी डेली डेटा की लिमिट खत्म होनेके बाद भी ग्राहक इंटरनेट का इस्तेमाल कर पाएंगे। हालांकि, स्पीड 80केबीपीएस की हो जाएगी। बीएसएनएल के 187 रुपए वाले प्लान में रोजाना 100 एसएमएस भी मिलेंगे। इस प्लान में फ्री पीआरबीटी रिंगटोन्स भी मिलती है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट का माहौल रहा। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एलएंडटी, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों के नीचे आने से भी बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 372.32 अंक करीब 0.62 फीसदी के नुकसान के साथ ही 59,636.01 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 133.85 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी के नुकसान से 17,764.80 अंक पर पहुंच गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक तीन फीसदी गिरा है। वहीं टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक के शेयर भी नीचे आये हैं। दूसरी ओर एसबीआई, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि पेटीएम को लेकर निवेशकों का जो उत्साह था पर सही नहीं रहा। पेटीएम के निवेशकों को 35 हजार करोड़ रुपये लिस्टिंग के दिन ही नुकसान हुआ है क्योंकि पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्यूनिकेशन का शेयर डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुआ।

प्रवासी भारतीयों ने 2021 में 87 अरब अमेरिकी डॉलर भारत भेजे

वाशिंगटन (एजेंसी):

प्रवासी भारतीयों ने 2021 में 87 अरब अमेरिकी डॉलर भारत भेजे। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अमेरिका इसका सबसे बड़ा स्रोत है और कुल रकम में इसका योगदान 20 फीसदी है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत दुनिया में इस लिहाज से पहले नंबर पर है और इस राशि में 4.6 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के बाद चीन, मैक्सिको, फिलीपीन और मिस्र हैं। इस राशि में 2022 तक और वृद्धि होने और इसके 89.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

एप्पल भारत में करने जा रही बड़ा निवेश, 10 लाख लोगों को मिलेंगी नौकरियां

(एजेंसी)।

बहुराष्ट्रीय टेक्नोलॉजी कंपनी एप्पल भारत में उल्लेखनीय निवेश करने के साथ अपने कार्यबल, ऐप्स और आपूर्तिकर्ता भागीदारों के जरिये करीब दस लाख नौकरियों का समर्थन कर रही है। कंपनी की उपाध्यक्ष (उत्पाद परिचालन) प्रिया बालासुब्रमण्यम ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। बेंगलुरु टेक समिट-2021 को संबोधित करते हुए बालासुब्रमण्यम ने कहा कि भारत में एप्पल पिछले दो दशकों से अधिक समय से कारोबार कर रही है और वर्ष 2017 से इसने बेंगलुरु स्थित संयंत्र में 'आईफ़ोन' का विनिनिर्माण शुरू किया है। उन्होंने कहा, ''इसके बाद से हमने बेंगलुरु और चेन्नई में स्थित अपने संयंत्रों का विस्तार किया है, जहां से घरेलू बाजार और निर्यात के लिए आईफोन के कई मॉडलों का विनिर्माण किया है।'' बालासुब्रमण्यम ने कहा, ''हम अपनी आपूर्ति श्रृंखला के साथ अपने परिचालन के विकास तथा पहुंच के विस्तार और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ जुड़ने के लिए भारत में महत्वपूर्ण निवेश कर रहे हैं।'' आईफोन 11, नए आईफोन एसई और आईफ़ोन 12 जैसे मॉडल कंपनी आपूर्तिकर्ता-भागीदारों द्वारा भारत में असेंबल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एपल भारत में आज लगभग दस लाख नौकरियों का समर्थन करती है।

फार्मास्यूटिकल्स समिट में बोले पीएम मोदी- भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने दुनियाभर में कमाया नाम

(एजेंसी):

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने इस वर्ष 100 से अधिक देशों को कोविड-19 रोधी टीकों की 6.5 करोड़ खुराक का निर्यात किया और आने वाले दिनों में वह अपनी क्षमता में वृद्धि करने के बाद और भी खुराक निर्यात करेगा। दवा क्षेत्र के प्रथम वैश्विक नवाचार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने जो वैश्विक भरोसा हासिल किया है उसकी वजह से आज देश को 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की दृष्टि नवोन्मेष के लिए एक ऐसा माहौल विकसित करने पर है जिससे देश, दवाओं की खोज और चिकित्सकीय उपकरणों के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा, ''हमारी नीतियां सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के आधार पर बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने भारत को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी की व्यापक उपलब्धता का हवाला देते हुए कहा कि ''खोज करने और भारत में निर्माण करने की क्षमता का और भी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आज करीब 13 अरब डॉलर के व्यापार अधिशेष तथा 30 लाख लोगों को रोजगार देने वाला फार्मा क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वर्ष 2014 से 12 अरब डॉलर से अधिक विदेशी निवेश आया है। क्षेत्र की क्षमता इससे कहीं अधिक है। उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश करने वालों से भारत में निवेश करने का आग्रह भी किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के दवा उद्योग में नवाचार के उत्कृष्ट परिवेश या माहौल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्राथमिकताओं पर चर्चा करना और रणनीति बनाने के लिए सरकार एवं उद्योग जगत के प्रमुख भारतीय व अंतरराष्ट्रीय हितधारकों, शिक्षाविदों, निवेशकों और शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाना है। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान 12 सत्र होंगे और 40 से भी अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता नियामकीय माहौल, नवाचार का वित्त पोषण या धनराशि की व्यवस्था करने, उद्योग-अकादमिक सहयोग और नवाचार संबंधी बुनियादी ढांचागत सुविधाओं सहित कई विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस शिखर सम्मेलन में देश-विदेश के फार्मा या दवा उद्योगों के प्रमुख सदस्य, अधिकारी, निवेशक और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट, आईआईएम अहमदाबाद एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के शोधकर्ता भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अमेरिकन एयरलाइंस की नजर मुंबई पर, टाटा समर्थित एयर इंडिया से मुकाबला करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के आकाश में लगभग 10 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से प्रवेश करते हुए, टेक्सास स्थित अमेरिकन एयरलाइंस विशेष रूप से मुंबई को अमेरिका से नॉन स्टाप सर्विस के जरिये जोड़ने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, एयरलाइन इस क्षेत्र को और अधिक क्षमता खासकर टाटा समूह समर्थित एयर इंडिया से हासिल करने के रूप में देखती है। इस हफ्ते, अमेरिकन एयरलाइंस ने बोइंग 777-300 विमान पर न्यूयॉर्क से नई दिल्ली के बीच एक नई नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू की। आईएएनएस के साथ बातचीत में, अमेरिकन एयरलाइंस में ईएमईए, सेल्स के प्रबंध निदेशक टॉम लैटिंग ने कहा कि एयरलाइन ने इस क्षेत्र में दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने (वीएफआर) की अच्छी मांग देखी है। इसके अलावा, एयरलाइन को उम्मीद है कि नए शैक्षणिक सत्र से अधिक स्टूडेंट ट्रैफिक को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि उत्तरी अमेरिका में बहुत सारे भारतीय छात्र हैं, जो आगे-पीछे यात्रा करेंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी एक बड़ी भारतीय आबादी है। इसलिए यह अभी सबसे बड़ा खंड है। दिल्ली के बाद, एयरलाइन की योजना मार्च 2022 से बेंगलुरु-सिएटल सेवा शुरू करने की है। लैटिंग ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए इंडिगो के साथ वास्तव में मिलकर काम करने जा रहे हैं कि हमारी बेंगलुरु सेवा के लिए चेन्नई और हैदराबाद दोनों के लिए हमारे पास अच्छा कनेक्टिंग समय और सेवाएं हैं और जैसे-जैसे बाजार विकसित होते हैं, हम मूल्यांकन करेंगे कि अधिक नॉनस्टॉप उड़ानें जोड़ने का कोई मतलब है या नहीं। वर्तमान में, एयरलाइन का इंडिगो के साथ कोडशेयर समझौता है। विमानन की भाषा में, एक कोडशेयर समझौता यात्रियों को गंतव्यों के व्यापक विकल्प प्रदान करने के लिए एयरलाइनों को एक-दूसरे की उड़ानों में सीटें बेचने की अनुमति देता है। अन्य नए गंतव्यों पर, उन्होंने मुंबई के लिए एक नई नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करने में एयरलाइन की रुचि का हवाला देते हुए कहा, निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि मुंबई वह है जिसे हम देखेंगे। इसके अतिरिक्त, लैटिंग ने इस क्षेत्र में निकट भविष्य में प्रतिस्पर्धा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से एयर इंडिया और अन्य एयरलाइंस से भारत और उत्तरी अमेरिका के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान के लिए प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद करते हैं। हम इंडिगो के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से भारतीय बाजार में बहुत अधिक पहुंचने जा रहे हैं। मुझे यकीन है कि इसमें अधिक क्षमता होगी जो भारत-अमेरिका के बाजार में जुड़ जाएगी और हम और अधिक क्षमता जोड़ देंगे जब हमें लगता है कि यह समझ में आता है लेकिन एयर इंडिया के लिए सौभाग्य है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें टाटा से नया समर्थन मिला है, जो उनके लिए अच्छा होना चाहिए। हम उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तत्पर हैं।

ग्लोबल हॉस्पिटल, परेल, मुंबई ने 15 दिनों में पहली बार भारत में चौगुनी विकलांग रोगियों पर दो द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण किए

ऊपरी और निचले कृत्रिम अंग के साथ दो चौगुनी विच्छिन्न ग्लोबल हॉस्पिटल, परेल, मुंबई में एक सफल द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण के बाद उन्हें हाथों की एक नई जोड़ी मिली। हाथ प्रत्यारोपण के इतिहास में चौगुनी विकलांग रोगियों में द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण का यह पहला सफल परिणाम है। राजस्थान के 22 वर्षीय महत्वाकांक्षी कबड्डी खिलाड़ी और पुणे के एक एकाउंटेंट की सर्जरी की गई।

राजस्थान के एक सुदूर गांव के 22 वर्षीय महत्वाकांक्षी कबड्डी खिलाड़ी जगदेव सिंह को 20 महीने पहले जनवरी 2020 में बिजली का झटका लगा था। और उसने अपने दोनों हाथ और पैर खो दिए क्योंकि उन्हें संक्रमण और गैंग्रीन के कारण विच्छेदन से गुजरना पड़ा था। सिंह ने उस वर्ष अपने सभी अंग खो दिए, वह कबड्डी अकादमी में शामिल होने वाले थे। सिंह के परिवार ने 15 अक्टूबर 2021 को दशहरा के दिन एक चिकित्सा चमत्कार का अनुभव किया जब उन्हें अस्पताल से फोन आया कि अहमदाबाद में एक जोड़ी अंग दान किया जा रहा है। प्लास्टिक, हाथ और माइक्रोवैस्कुलर सर्जन, आर्थोपेडिक सर्जन और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट से युक्त डॉक्टरों की एक बड़ी टीम ने 13 घंटे तक चलने वाली जटिल सर्जरी में भाग लिया।

ऑपरेशन के बाद सुचारू रूप से ठीक होने के लिए चिकित्सकों, इम्यूनोलॉजिस्ट और नर्सों की एक टीम द्वारा रोगी की बारीकी से निगरानी की गई। फिजियोथेरेपिस्ट की टीम ने उसे कृत्रिम अंग पर वापस लाने के लिए कड़ी मेहनत की, क्योंकि सिंह को अपने वजन को संतुलित करने की कला सीखनी पड़ी और अपने नए प्रत्यारोपित हाथ को समायोजित करते हुए अपने कृत्रिम अंग पर चलना पड़ा। दूसरी ओर, दो साल पहले, पुणे के एक 32 वर्षीय पुरुष प्रकाश शेलार को भी दिवाली 2019 के दौरान बिजली का झटका लगा, जिसके परिणामस्वरूप सभी 4 अंग विच्छेदन हो गए। पेशे से एक एकाउंटेंट, वह अपने माता-पिता, पत्नी और 4 और 2 साल की उम्र के 2 बच्चों सहित 6 लोगों के परिवार के लिए एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। इस त्रासदी के कारण, उनकी नौकरी चली गई और वे बुनियादी जरूरतों के लिए अपने परिवार पर निर्भर हो गए। उनकी पत्नी और मां ने अपने परिवार का समर्थन करने और अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए छोटी-छोटी नौकरियां कीं। वह 9 महीने पहले डॉ. से मिले थे। नीलेश ने सतभाई से मुलाकात की और प्राप्तकर्ता को हाथ प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा सूची में पंजीकृत किया गया। 30 अक्टूबर 2021 को, दिवाली 2021 से ठीक पहले, एक स्वतंत्र और फलदायी जीवन जीने की उनकी उम्मीदें फिर से जीवित हो गईं, जब उन्हें सूरत से हाथ दान के लिए अलर्ट मिला। और उन्होंने ग्लोबल हॉस्पिटल, परेल, मुंबई में एक द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण किया।

आईडब्ल्यूजी ने कॉन्जॉइन्क्स के साथ की सबसे बड़ी 18 सेंटर की फ्रैंचाइज़ डील

नई दिल्ली - फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस एवं को-वर्किंग में दुनिया में अग्रणी आईडब्ल्यूजी ने दिल्ली-एनसीआर की जानी-मानी रियल एस्टेट, लीज़िंग एवं को-वर्किंग कंपनी कोनजॉइंक्स के साथ सबसे बडी फ्रैंचाइज़ डील पर हस्ताक्षर किए हैं। इस 18-सेंटर पार्टनरशिप के साथ आईडब्ल्यूजी की मौजूदगी दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और गुजरात में विस्तारित हो जाएगी और यह ब्राण्ड के इतिहास में एक व्यक्तिगत फ्रैंचाइज़ द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी डील्स में से एक होगी। इस डील के साथ आईडब्ल्यूजी के सेंटरों की कुल संख्या भारत के प्रमुख राज्यों के 25 शहरों में 130 तक पहुंच जाएगी। इस घोषणा के बाद राजस्थान के जयपुर बुल्स के साथ 8 सेंटरों का विकास होगा और इसी साल जुलाई में पंजाब में हैण्ड ग्रुप के साथ 4 सेंटरों का विकास होगा। फ्लेक्सिबल, स्थानीय ऑफिस स्पेस की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करने के आईडब्ल्यूजी के दृष्टिकोण के साथ फ्रैंचाइज़ पार्टनर्स के साथ साझेदारी की गई है क्योंकि सभी आकारों की फर्में हाइब्रिड वर्क पैटर्न को अपनाती हैं।

इस विस्तार पर बात करते हुए श्री हर्ष लाम्बा, कंट्री मेनेजर, भारत, वाईस प्रेज़ीडेन्ट सेल्स, साउथ एशिया ने कहा, ''कॉनजॉइन्क्स के साथ साझेदारी को लेकर हम बेहद खुश है, इससे हम आने वाले समय में प्रमुख बाज़ारों में आईडब्ल्यूजी ब्राण्ड का विस्तार जारी रख सकेंगे। हमारा फ्रैंचाइज़ मॉडल पार्टनर्स को निवेश के आकर्षक अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें स्थानीय ज्ञान के साथ बाज़ार का अग्रणी अनुभव देते हैं। हमारा मानना है कि कॉनजॉइन्क्स हमारे लिए बेहतरीन साझेदार है जो उत्तरी भारत में हमारी मौजूदगी को बढ़ाने में मददगार होगा। आने वाले समय में आईडब्ल्यूजी ने भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के डेवलपर्स के साथ फ्रैंचाइज़ पार्टनर्स के रूप में जुड़ने की योजना बनाई है।' उन्होंने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, ''हमारे आंकड़ों के मुताबिक महामारी की दूसरी लहर खत्म होने के बाद ऑफिस एवं को-वर्किंग विज़िट में 12 फीसदी प्रति माह की बढ़ोतरी हो रही है, खासतौर पर दूसरे एवं तीसरे स्तर के शहरों में यह मांग तेज़ी से बढ़ी है। हमें उम्मीद है कि चौथी तिमाही में भी यही रूझान जारी रहेंगे। आईडब्ल्यूजी ने प्रोफेशनल वर्कस्पेस की मांग भी बढ़ोतरी दर्ज की है, मीटिंग रूम्स की फ्लेक्सिबल बुकिंग और को-वर्किंग स्पेस आज समय की मांग बन चुके हैं, और आईडब्ल्यूजी उपभोक्ताओं की इन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।'

रेनो क्विड ने भारत में 4,00,000 वाहनों की बिक्री के आंकड़े को पार किया

विगत 10 वर्षों से भारत में अपने कारोबार का संचालन करने वाले रेनो ने आज देहरादून, उत्तराखंड में अपने 4,00,000वें ग्राहक को बिल्कुल नए एवं आकर्षक, बेहद इनोवेटिव और किफायती गेम-चेंजर रेनो क्विड की चाबियां सौंपीं। इस उपलब्धि के साथ, रेनो क्विड ने भारत में 4 लाख कारों की बिक्री का कीर्तिमान स्थापित किया है, जो भारत में छोटी कारों के सेगमेंट में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला वाहन साबित हुआ है।

रेनो क्विड 0.8L और 1.0L SCe पावरट्रेन, दोनों श्रेणियों में मैनुअल और AMT विकल्पों के साथ RXE, RXL, RXT और क्लाइंबर वेरिएंट सहित 9 ट्रिम्स में उपलब्ध है, जिसने पूरे देश में रेनो ब्रांड के विकास में बेहद अहम भूमिका निभाई है। रेनो क्विड का डिजाइन स्क्वू से प्रेरित है, जो इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ 20.32 cm के टचस्क्रीन मीडियानैव (MediaNav) इवोल्यूशन, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले, फ्लोर कंसोल पर व्यवस्थित स्क्वू डायल जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है, जो ड्राइविंग को बेहद आसान बना देते हैं।

रेनो अपने बेमिसाल प्रोडक्ट इनोवेशन के साथ क्विड की सफलता को निरंतर आगे बढ़ाने के अपने वादे पर पूरी तरह खरा उतरा है। रेनो इंडिया ने अपनी 10वीं वर्षगांठ समारोह के एक हिस्से के रूप में, हाल ही में बिल्कुल नए क्विड MY21 को लॉन्च किया है। MY21 कारों की रेंज भारत में लागू सभी सुरक्षा नियमों का अनुपालन करती है, और इस वाहन के सभी वेरिएंट में स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर दो फ्रंट-एयरबैग्स की सुरक्षा उपलब्ध है। कार की खूबसूरती में चार चांद लगाते हुए, नया क्विड MY21 क्लाइंबर एडिशन ब्लैक रूफ के साथ व्हाइट कलर कॉम्बिनेशन में डुअल-टोन एक्सटीरियर में भी उपलब्ध हैं, साथ ही इसमें इलेक्ट्रिक ORVM और डे एंड नाइट IRVM जैसे नए फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, सामने वाली सीट पर ड्राइवर की तरफ पावरटेक और प्रीटेंशनर की सुविधाएं भी मौजूद हैं, जो वाहन की सुरक्षा को कई गुना बढ़ा देते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आकर्षक कार फाइनेंस पैकेज संभव करने के लिए इंडसइंड बैंक के साथ साझेदारी की

बैंगलोर- टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने, 'ग्राहक सबसे पहले' के अपने दर्शन के अनुपालन में आज एक करार पर दस्तखत किए जाने की घोषणा की। यह करार देश के अग्रणी, नए जमाने के बैंकिंग प्लैटफॉर्म इंडसइंड के साथ किया गया है ताकि देश भर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसके ग्राहकों के लिए रीटेल फाइनेंस संभव हो। इस गठजोड़ से इंडसइंड बैंक, भारत में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों की पूरी रेंज का प्राथमिकता वाला फाइनेंसर बन गया है। प्रतिस्पर्धी ब्याज दर पर फाइनेंस की यह सुविधा ग्राहकों को उपलब्ध होगी और इनमें वो भी शामिल हैं जो प्राथमिकता वाली सेक्टर योजना के तहत कवर किए जाते हैं। इससे निजी और व्यावसायिक दोनों तरह के उपयोग के लिए टोयोटा वाहन खरीदे जा सकते हैं। प्राथमिकता वाले फाइनेंस के रूप में इंडसइंड बैंक टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और इसके डीलर पार्टनर के साथ मिलकर उन लोकेशन पर काम करेगा जहां अनुकूलन की सुविधा के साथ आकर्षक फाइनेंसिंग पैकेज मुहैया कराने योग्य परिचालन हैं। इनमें डाउन पेमेंट, कार्यकाल और ब्याज दर शामिल है। इस गठजोड़ पर अपने विचार साझा करते हुए श्री एसवी पार्थसारथी, प्रमुख - उपभोक्ता फाइनेंस डिविजन, इंडसइंड बैंक ने कहा, "हम विविधतापूर्ण उत्पाद श्रृंखला वाले देश के अग्रणी कार निर्माताओं में से एक, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ गठजोड़ करके खुश हैं। इस साझेदारी के साथ हमारा लक्ष्य देश भर में 2000 शाखाओं के अपने विशाल नेटवर्क के जरिए पहले, दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में नए ग्राहकों के पास पहुंचना है। इसके साथ ही गठजोड़ से हमारे मौजूदा ग्राहकों में जो टोयोटा खरीदना चाह रहे हैं उन्हें शीघ्र और सीवनहीन खरीदारी का अनुभव होगा।" इंडसइंड बैंक के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट श्री टीए राजगोपालन ने आगे कहा, "टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ यह साझेदारी हमारे ग्राहकों की पहुंच आसान और किफायती फाइनेंस समाधान तक पहुंचाती है जिनका निर्माण करने में उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं का ख्याल रखा गया है। यह इंडसइंड बैंक और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बीच मिलकर ग्राहकों की सेवा करने के एक आकर्षक चरण की शुरुआत का भी प्रतीक है।"

इस करार की चर्चा करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एसोसिएट जनरल मैनेजर (एजीएम), सेल्स एंड स्ट्रैटजिक मार्केटिंग श्री वी वाइजलाइन सिगमनी ने कहा, च्चलांजा और अर्बन क्रूजर जैसे उत्पादों के साथ बी वर्ग में हमारे सफल प्रवेश के बाद हम मेट्रो शहरों के साथ छोटे शहरों और नगरों से मजबूत मांग देख रहे हैं। बढ़ती मांग की पूर्ति करने और मेट्रो तथा छोटे बाजारों में अपने ग्राहकों के बिक्री अनुभव को बेहतर करने के लिए हम टोयोटा उत्पादों की पहुंच का और विस्तार करना चाह रहे हैं। इसमें ग्रामीण बाजार पर खास फोकस है।

हर बार पावर हिटिंग से नहीं मिलती सफलता : रोहित

जयपुर। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद कहा है कि हमेशा पावर हिटिंग काम नहीं आती। रोहित ने मैच के बाद कहा, 'हमने जितना सोचा था, यह मुकाबला उतना आसान नहीं रहा। इससे खिलाड़ियों को सबक मिला कि क्या करना चाहिए और हर समय पावर हिटिंग काम नहीं आती।' उन्होंने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर मैं खुश हूं कि हम जीत गए। कुछ खिलाड़ियों की कमी खली पर दूसरे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिला। उन्होंने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कीवी टीम को 180 के स्कोर के करीब जाने से रोक दिया।' वहीं दूसरी ओर कीवी कप्तान टिम साउदी ने कहा कि उनके बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना सके। उन्होंने कहा, 'मार्क चैपमैन ने शानदार बल्लेबाजी की हालांकि हम पर्याप्त रन नहीं बना सके। गेंदबाजों ने उम्मीद के अनुसार शुरुआत नहीं की इसके बाद भी मैच को अंतिम ओवर तक ले गए जो सकारात्मक बात है। पिछले कुछ मैचों में हमारा प्रदर्शन फील्डिंग में शानदार रहा है जो आज दोहरा नहीं सके।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भी जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया

रांची (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में भी जीत की लय बनाये रखने के लिए उतरेगी। पहले टी20 में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम तीन मैचों की इस टी20 सीरीज में 1-0 से आगे है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम का उत्साह बढ़ा हुआ है। जिस प्रकार से टीम ने पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा किया उससे यह जाहिर होता है। इसके अलावा गेंदबाजों ने भी किवी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। इस मैच में रोहित मध्यक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। पहले मैच में भारतीय टीम की जीत में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के साथ ही अंतिम ओवरों में की गयी बेहतरीन गेंदबाजी रही है। इस सीरीज में विराट कोहली को आराम दिया गया है और उनकी जगह शामिल सूर्यकुमार यादव ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी करते हुए पहले मैच में शानदार अर्धशतक लगाय था। पहले टी20 में रन नहीं बना पाये श्रेयस अय्यर से इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। पहले मैच में ऋषभ पंत ने अच्छे बल्लेबाजी करते हुए फिनिशर की भूमिका निभाई थी जिसे वह बरकरार रखना चाहेंगे। पहले मैच में गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कमार और रविचंद्रन अश्विन ने बेहतर प्रदर्शन किया। इन दोनों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की। इससे पहले टी20 विश्व कप में भुवनेश्वर नाकाम रहे थे पर उन्हें अपनी लय हासिल करने के लिए एक और अवसर मिला है जबकि अश्विन की अच्छी वापसी हुई है। अश्विन ने लंबे समय बाद भी वापसी करते हुए कसी हुई गेंदबाजी की थी। दूसरे मैच में निचला मध्यक्रम रोहित की परेशानी बढ़ा सकता है और ऐसे में वह बल्लेबाजी क्रम में बदलाव भी कर सकते हैं। खिलाड़ियों को अधिक मौका के लिए रोहित केवल एक मैच के बाद उसमें ज्यादा बदलाव नहीं करेंगे। पहले मैच में गेंदबाजी के दौरान युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अपनी ही गेंद पर शॉट रोकते समय चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका खेलना अब संदिग्ध नजर आता है। इस मैच में भी ओस के कारण टॉस अहम भूमिका निभाएगा। ऐसे में पहले गेंदबाजी करने वाली टीम फायदे में रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेहमान कीवी टीम के कप्तान टिम साउदी इस मैच में जीत के साथ ही वापसी करना चाहेंगे। टीम की बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल और मार्क चैपमैन पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी में साउटी के अलावा बोल्ट व स्पिनर ईश सोढ़ी पर जिम्मेदारी रहेगी। साउदी इस मैच में उतरने से पहले अपनी टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।

मुगुरुजा ने पहली बार जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब

ग्वाडेलजारा (एजेंसी)।

स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया है। मुगुरुजा ने खिताबी मुकाबले में एस्टोनिया की एनेट कोंटावीट को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया। मुगुरुजा ने अपने करियर में पहली बार यह टूर्नामेंट जीता है। मुगुरुजा ने यहां पहले खेलते हुए 14 मुकाबले जीते हैं जबकि दो मैचों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। मैक्सिको के मोंटेरी में साल 2018 और साल 2019 में लगातार दो खिताब जीतने वाली मुगुरुजा यह टूर्नामेंट जीतने वाली स्पेन की पहली खिलाड़ी हैं। इससे पहले स्पेन की ही अरांत्जा सांचेज विकारियो दो बार उप विजेता रही हैं। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट को जीतने वाली सबसे अधिक उम्र की खिलाड़ी हैं। मुगुरुजा सत्र का अंत दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी के रूप में करेंगी जो 2017 के बाद उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हार के बावजूद कोंटावीट के साल का अंत दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी के रूप में करने की उम्मीद है। वहीं विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आंद्रे रूबलेव को सीधे सेटों में हराकर एटीपी पुरुष फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इसके अलावा कैस्पर रुड भी संघर्षपूर्ण मुकाबले के बाद जीत दर्ज करने में सफल रहे।

1436 किमी पैदल चलकर रांची धोनी से मिला प्रशंसक

रांची (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी खेल से दूर होने के बाद भी अपने प्रशंसकों में छाये हुए हैं। इसका अंदाजा इसके होता है कि केवल धोनी से मिलने के लिए एक युवक हरियाणा से 1436 किमी पैदल चलकर रांची पहुंचा। अजय गिल नाम के इस प्रशंसक ने धोनी से गले मिलकर उन्हें आई लव यू भी कहा। इसके बाद धोनी ने भी अपने प्रशंसका का पूरा ध्यान रखा और उसे फ्लाइट से वापस हरियाणा भेजा। धोनी ने अजय से न केवल मुलाकात की बल्कि उसे अपने फॉर्म हाउस के अंदर बुलाया। गले लगाया और साथ में सेल्फी भी खिंचवाई। इसके बाद बेस्ट ऑफ लक बोल कर फ्लाइट के टिकट के साथ विदा किया। धोनी ने अजय के रहने की व्यवस्था भी अपने फार्म हाउस में ही की थी। हरियाणा के जलान खेड़ा के 18 साल के अजय धोनी के प्रशंसक होने के लिए जाने जाते हैं। धोनी से मिलने के लिए तीन महीने में वह दूसरी बार पैदल यात्रा कर रांची पहुंचे थे। पिछली बार उन्होंने 16 दिन में 1436 किलोमीटर की यात्रा की थी. जबकि इस बार उन्होंने 18 दिन में यात्रा पूरी की। धोनी से मिलकर उत्साहित हुए अजय ने कहा कि अब मेरा जीवन धन्य हो गया। अजय ने कहा कि मैंने कसम खायी थी कि जब तक धोनी आशीर्वाद नहीं देंगे क्रिकेट नहीं खेलेंगे। 15 अगस्त 2020 को ही धोनी के साथ मैंने भी क्रिकेट खेलना छोड़ दिया था जिसे अब फिर से शुरू करुंगा और भारतीय टीम में जगह बनाउंगा। अजय 12वीं पास है और अभी अपने शहर में ही कामकाज करता है पर वह क्रिकेट में अपना करियर बनाना चाहता है।

2022 अंडर-19 विश्व कप में भाग नहीं लेगा न्यूजीलैंड

वेस्टइंडीज के अनिवार्य कारंटीन नियमों से सहमत नहीं

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की टीम साल 2022 में वेस्टइंडीज में होने वाले अंडर-19 विश्व कप में भाग नहीं लेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य कारंटीन नियमों के कारण उसने अपना नाम वापस लिया है। इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड की जगह अब स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। स्कॉटलैंड ग्रुप डी में वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के साथ रखी गयी है। यह टूर्नामेंट अगले साल 14 जनवरी 2022 को शुरू होने वाला है और इसमें वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट 4 अलग-अलग देशों के 10 मैदानों में खेला जाएगा। यह चार देश त्रिनिदाद और टोबैगो, सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स, गुयाना और एंटीगुआ हैं। यह पहली बार है जब अंडर-19 विश्व कप वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। हसमें भारतीय टीम को ग्रुप बी में युगांडा, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। इस टूर्नामेंट के दो सेमीफाइनल मैच एक और दो फरवरी को खेले जाएंगे। पहले सेमीफाइनल की मेजबानी सर विवियन रिचर्ड्स कॉलेज ग्राउंड में होगी। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। सेमीफाइनल एक और दो फरवरी को खेले जाएंगे जबकि फाइनल मुकाबला पांच फरवरी को सर विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। कैरेबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 48 मैच खेले जाएंगे। गत चैंपियन बांग्लादेश, इंग्लैंड, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात को ग्रुप ए में जगह मिली है जबकि ग्रुप सी में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और पापुआ न्यू गिनी शामिल हैं। ग्रुप डी में मेजबान वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को जगह मिली है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर लीग में जगह बनाएंगी जबकि बाकी टीमें प्लेट वर्ग में खेलेंगी। यह प्रतियोगिता 23 दिन चलेगी.

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में राहुल, विराट शीर्ष दस में शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में भारत के लोकेश राहुल नीचे खिसक कर छठे स्थान पर हैं। विराट कोहली आठवें स्थान पर कायम हैं। राहुल के 727 अंक हैं और वह एक पायदान नीचे आये हैं। राहुल ने टी20 विश्व कप अफगानिस्तान, स्कॉटलैंड और नामीबिया के खिलाफ 69, 50 और नाबाद 54 रन बनाये थे। वहीं भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह 15वें से 16वें स्थान पर फिसल गये हैं। विराट 698 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं। भारत से राहुल और कोहली ही टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल हैं। वहीं टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले मिचेल मार्श और डेविड वॉर्नर की रैंकिंग बेहतर हुई है। मार्श छह स्थान ऊपर आकर संयुक्त रुप से 13वें स्थान पर पहुंच गये जबकि टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये वार्नर आठ पायदान बढ़कर 33वें स्थान पर आ गये हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन सात पायदान ऊपर 32वें जबकि डेवॉन कॉनवे तीन पायदान उछलकर चौथे स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं गेंदबाजों की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा दो पायदान ऊपर तीसरे जबकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दो स्थान उछलकर छठे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने सात पायदान की छलांग लगायी है और वह 14वें स्थान पर पहुंच गये हैं। काई लेग स्पिनर वानिन्दु हसरंगा रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं। शीर्ष दस -10 गेंदबाजों के लिस्ट में एक भारतीय गेंदबाज नहीं है। जसप्रीत बुमराह 15वें पायदान पर .

रोहित और ऋषभ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस साल 1000 रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर बने

जयपुर। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान रोहित शर्मा और विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए साल 2021 बेहद अच्छा रहा है। रोहित ने कप्तान संभालते ही अपने पहले ही मैच में जीत से शुरुआत की, ऋषभ ने मैच विजेता शॉट खेला। साल 2021 में रोहित और ऋषभ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की ओर से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। यहां तक कि विराट कोहली भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये हैं। इस साल रोहित 33 पारियों में 42 की औसत से 1309 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और सात अर्धशतक हैं। वहीं ऋषभ ने 29 पारियों में 42 की औसत से 1058 रन बनाए हैं। वहीं विराट 875 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। विराट इस सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। ऐसे में अब उनके इनसे आगे निकलने का सवाल ही नहीं है। रोहित को इससे पहले भी कई बार कप्तानी का अवसर मिला है और वह इसमें सफल रहे हैं। रोहित ने कप्तान के तौर पर घरेलू जमीन में 10 में से 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय जीते हैं। इस प्रकार उनकी सफलता का औसत 90 फीसदी हैं। वहीं पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने 20 में से 10 और विराट कोहली ने 23 में से 13 टी20 के मुकाबले जीते हैं।

रोजर फेडरर को बड़े टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धी मैच के साथ विदाई की उम्मीद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को यह बात अच्छी तरह से पता है कि उनका करियर आखिरी पड़ाव पर है लेकिन वह किसी बड़े टूर्नामेंट में टेनिस कोर्ट (प्रतिस्पर्धी मैच) पर उतर कर इस खेल को अलविदा कहना चाहते है। फेडरर ने बुधवार को कहा था कि घुटने की सर्जरी के कारण अगले साल जून में विम्बलडन तक वापसी की उम्मीद बेहद कम है। फेडरर के लिए हालांकि इस उम्र में वापसी करना काफी मुश्किल होगा लेकिन उन्होंने कहा कि वह कोशिश करेंगे। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि मुझे पता है कि अंत (खेल को अलविदा कहना) निकट है, पर मैं कुछ और बड़े मैच खेलने की कोशिश करना चाहता हूं। यह आसान नहीं होगा, लेकिन मैं कोशिश करना चाहता हूं। मेरे लिए यह स्पष्ट है कि अगर मैं एक और ग्रैंड स्लैम फाइनल नहीं खेलता तो मेरे जीवन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन वहां तक पहुंचना मेरा आखिरी सपना होगा। फेडरर ने कहा कि मैं आखिरी बार परखना चाहता हूं कि मैं एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। फेडरर के नाम 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब है। पुरुष वर्ग में उनके अलावा नोवाक जोकोविच और रफेल नडाल ने इतने खिताब जीते है। हर खिलाड़ी चाहता है कि वह टेनिस कोर्ट पर मैच के साथ विदाई ले। फेडरर का लक्ष्य जनवरी में जॉगिंग (धीमी दौड़) और फिर उसके दो-तीन महीने बार टेनिस अभ्यास शुरू करना है। लंबे समय से उनके प्रतिद्वंद्वी रहे जोकोविच ने तूरिन में एटीपी फाइनल्स के दौरान इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि मुझे यकीन है कि वह अपना करियर इस तरह खत्म नहीं करना चाहते। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से वापसी के लिए एक और कोशिश करेंगे। उन्होंने इस खेल के लिए जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए वह खेलने और उचित विदाई पाने का हकदार है।

रूबलेव को हराकर जोकोविच एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में, रुड भी जीते

तुरिन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां आंद्रे रूबलेव को सीधे सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि कैस्पर रुड भी कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले सत्रांत टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड छह खिताब की बराबरी करने के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच ने रूबलेव को 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने एक बार फिर शानदार सर्विस की। रूबलेव हालांकि पहले ही गेम में उनकी सर्विस तोड़ने में सफल रहे। जोकोविच ने दोनों सेटों में दो-दो बार विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और 12वां ऐस जड़कर मैच अपने नाम किया। ग्रीन ग्रुप में जोकोविच ने अपने दोनों मुकाबले जीत लिए हैं। उन्होंने पहले मैच में कैस्पर रुड को हराया था। रुड ने सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ब्रिटेन के कैमरन नोरी को कड़े मुकाबले में 1-6, 6-3, 6-4 से हराया। 2018 के चैंपियन स्टीफानोस सितसिपास के चोट के कारण हटने पर नोरी को दूसरे वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में उतारा गया है। इससे पहले मंगलवार को मातियो बेरेतिनी की जगह यानिक सनिर ने ली थी। शुक्रवार को अब रुड का सामना रूबलेव से होगा। ये दोनों ही खिलाड़ी ग्रीन ग्रुप से अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं।

चहल के लिए अच्छा नहीं रहा 2021

नई दिल्ली। स्पिनर यजुवेन्द्र चहल को करार झटका लगा है। नये टी20 कप्तान रोहित शर्मा के करीबी होने के बाद भी वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में जगह हासिल नहीं कर पाये। साल 2021 चहल के लिए अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल के पहले चरण में खराब प्रदर्शन के चलते चहल को टी20 विश्व कप में भी जगह नहीं मिल पायी और उनकी जगह राहुल चाहर को टीम में जगह मिली। अभी कुछ दिनों पहले ही चहल ने रोहित को अपना बड़ा भाई बताया था। चहल ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनका और रोहित का रिश्ता भाई की तरह है। इससे पहले चहल यह खुलासा कर चुके हैं कि रोहित ने ही उन्हें आईपीएल डेब्यू का मौका दिया था। चहल ने कहा था, 'मेरा रोहित भैया से खास रिश्ता है क्योंकि हम 2011 से एक-दूसरे को जानते हैं। मैंने आईपीएल डेब्यू ही रोहित भैया की वजह से किया है। मुझे कोई मौका नहीं मिल रहा था और रोहित भैया ने कप्तानी मिलते ही मुझे मौका दिया। वो मेरे कमरे में आए और कहा कि तू मैच खेल रहा है तब मैं हैरान रह गया क्योंकि हमारी टीम में पहले से ही हरभजन और प्रज्ञान ओझा जैसे खिलाड़ी थे। हम कभी 3 स्पिनर्स के साथ नहीं उतरे थे।'

मार्टिन गुप्टिल ने कहा- इस भारतीय गेंदबाज के खिलाफ रन बनाना बेहद मुश्किल

जयपुर (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल को भारत के रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ रन बनाना काफी मुश्किल लगता है क्योंकि इस आफ स्पिनर का अपनी लाइन, लेंथ और गति पर शानदार नियंत्रण है। चार साल बाद सीमित ओवरों के क्रिकेट में वापसी करने के बाद से अश्विन ने लगातार प्रभावित किया है। टी20 विश्व कप में उन्होंने प्रभावी गेंदबाजी की और बुधवार को पहले टी20 मुकाबले में एक ही ओवर में न्यूजीलैंड के दो विकेट चटकाकर विरोधी टीम की रन गति पर अंकुश लगाया। उन्होंने अर्धशतक जड़ने वाले मार्क चैपमैन और टिम सीफर्ट को आउट किया। गुप्टिल ने कहा कि वह चतुर गेंदबाज है। उसका अपनी लाइन और लेंथ पर शानदार नियंत्रण है। वह खराब गेंद नहीं फेंकता। मुझे याद नहीं कि अपने पूरे करियर में उसने कभी खराब गेंद फेंकी हों। उसका गति में बदलाव इतना कुशल और नियंत्रित होता है कि उसके खिलाफ रन बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सलामी बल्लेबाज गुप्टिल ने 42 गेंद में 70 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को टी20 विश्व कप के फाइनल में हार के बाद न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी शिकस्त है। गुप्टिल ने कहा कि पिछले दो मैचों में हम खराब क्रिकेट नहीं खेले। बात बस इतनी सी है कि हम सही नतीजा हासिल नहीं कर सके। क्रिकेट इसी तरह चलता है। निश्चित तौर पर यह (कार्यक्रम) अलग तरह का है। दो दिन पहले विश्व कप फाइनल और फिर विमान में बैठे और अब हम यहां भारत में एक और श्रृंखला खेल रहे हैं। गुप्टिल ने चैपमैन के साथ दूसरे विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की और न्यूजीलैंड का स्कोर छह विकेट पर 164 रन तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज का हालांकि मानना है कि उन्होंने 10 रन कम बनाए। उन्होंने कहा कि पहले ही ओवर में डेरिल मिशेल का विकेट गंवाना आदर्श स्थिति नहीं थी लेकिन पिछले कुछ समय से काफी क्रिकेट नहीं खेलने के बावजूद चैपमैन ने जिस तरह सामंजस्य बैठाया और क्रीज पर समय बिताया वह शानदार था। उसके साथ शतकीय साझेदारी से टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचने में मदद मिली। गुप्टिल ने कहा कि हमने संभवतः 10 रन कम बनाए, मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में हम उम्मीद के मुताबिक खेल पाए लेकिन ऐसा होता है। भारत दौरा उन क्रिकेटरों के लिए अच्छा मौका है जो पहले यहां नहीं खेले हैं। हां, यह शानदार है, क्या ऐसा नहीं है? मेरे कहने का मतलब है कि रचिन (रविंद्र) ने इस दौरे पर खेलने की उम्मीद नहीं की थी।

द्रविड़ की कोचिंग पर अभी टिप्पणी नहीं कर सकते : अश्विन

जयपुर। टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में अच्छे प्रदर्शन के बाद कहा कि अभी वह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की कोचिंग शैली पर कुछ नहीं कह सकते। अश्विन ने लंबे समय बाद टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए 23 रन देकर 2 विकेट लिए। मैच जीतने के बाद अश्विन ने कहा कि द्रविड़ ने अंडर-19 के कोच रहते कड़ी मेहनत की थी पर सीनियर के साथ उनकी कोचिंग कैसी है, इस पर अभी टिप्पणी नहीं की जा सकती। इसके लिए कुछ समय चाहिये रहेगा। साथ ही कहा कि द्रविड़ के कामकाज का तरीका ऐसा है कि वह किसी को भी गलती निकालने का अवसर नहीं देते। उनका पूरा ध्यान हमारी तैयारी और प्रतिक्रियाओं पर होगा जिससे भारतीय ड्रेसिंग रूम में एक बार फिर उत्साह का माहौल बना रहे। अश्विन ने कहा कि कीवी टीम के खिलाफ पहले मैच में धीमी गेंदबाजी अधिक प्रभावी रही। साथ ही कहा कि मैंने इस पिच पर वैसी ही गेंदबाजी की जैसे सेंटनर ने दूसरी पारी में की थी। इस पिच पर 180 का स्कोर मुकाबले के लिए अच्छा था पर हमने कीवी टीम को 164 पर ही रोक लिया। बल्लेबाजी करते समय हमें लग रहा था कि हम 15वें ओवर में जीत जाएंगे पर कीवी गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण यह मैच आगे तक गया।

ऑटो रिक्शा चालक यूनियन ने 21 नवंबर से बेमियादी हड़ताल का फैसला वापस लिया

सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में ऑटो रिक्शा चालकों ने 15 नवंबर से 36 घंटे की हड़ताल की थी

अहमदाबाद (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने के बाद सीएनजी के दाम भी बढ़ाए गए। हांलाकि बाद में केन्द्र और राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाई थीं। पेट्रोल-डीजल के मूल्य घटाने के बाद ऑटो रिक्शा चालकों ने सीएनजी की कीमतों में राहत देने की मांग की थी। मांग पूरी नहीं होने पर ऑटो रिक्शा चालक यूनियन ने 21 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था। फिलहाल ऑटो रिक्शा चालक यूनियन ने बेमियादी हड़ताल करने का फैसला वापस ले लिया है। अहमदाबाद ऑटो रिक्शा चालक यूनियन के प्रमुख अशोक पंजाबी ने बताया कि सीएनजी के दाम घटाने की हमने राज्य सरकार से पेशकश की है। दूसरी ओर कोरोनाकाल के बाद रिक्शा चालकों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और बेमियादी हड़ताल से उन्हें आर्थिक नुकसान होगा। जिसे देखते हुए फिलहाल 21 नवंबर से होनेवाली बेमियादी हड़ताल फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में ऑटो रिक्शा चालकों ने 15 नवंबर से 36 घंटे की हड़ताल की थी। इस हड़ताल का अहमदाबाद में मिला जुला असर दिखा। लेकिन रिक्शा चालकों ने सफलता मिलने के दावा करते हुए 21 नवंबर से बेमियादी हड़ताल और जेल भरो आंदोलन का ऐलान किया था। यूनियन ने मांग की थी कि सीएनजी की कीमतें वापस ली जाएं, अन्य राज्यों की भांति गुजरात में रिक्शा चालकों को रु. 15000 की आर्थिक सहायता देने और पुलिस दमन बंद किया जाए।

घर से काम करने के दौरान डाइट के विकल्प

वर्ष 2019 के आखिर में जब वैश्विक महामारी आई थी, तब दुनिया डिजिटाइजेशन के रास्तेप पर तेजी से आगे बढ़ रही थी। दुनियाभर में दूर बैठी टीमों और सहकर्मियों से जुड़ने के विकल्पड रोजाना के काम का स्व रूप बन गये, चाहे आपका सहकर्मी आपकी ही गली में रहता था। घर ने नये वर्कप्ले स का रूप ले लिया था, जो वीडियो कॉलिंग और कई अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से जुड़ा था। जो लोग ऑफिस के कैफेटेरिया या भोजन की दुकान पर निर्भर थे, उनके सामने नई चुनौतियाँ थीं कि घर को कार्यस्थजल बनाने से उनका भोजन प्रभावित न हो। और इसलिये, जैसे ही घर काम करने का एक नया स्थारन बना, घर के किचन का महत्व। भी बढ़ गया, क्यों कि लोगों ने होम कुकिंग में वापसी की। वैश्विक महामारी ने हमें थोड़ा रूककर अपनी डाइट और जीवनशैली का मूल्यांरकन करने का मौका दिया है और इस प्रकार, आगे के लिये स्वाअस्प्टे कर विकल्पों पर ध्यारन देना जरूरी है।

डाइनिंग पर निर्भरता में बदलाव या घर का बना भोजन अपनाना ऐसे कई फायदे देता है, जो लंबी अवधि में उपभोक्तापओं की सेहत को बदल सकते हैं। एक हालिया सर्वे भी बताता है कि 10 में से 7 उपभोक्तातओं ने घर पर ही कुकिंग करना जारी रखने की बात कही है और इस प्रकार हमें अपने आहार पर नियंत्रण रखने और सेहतमंद विकल्पि अपनाने का मौका मिल रहा है। ऐसा ही एक सेहतमंद विकल्पह है पाम ऑयल, जो कुकिंग के लिये इस्तेपमाल होने वाले बहुउपयोगी तेलों में से एक है। कम वसा वाले समग्र आहार के तहत पाम ऑयल ने टोटल कोलेस्ट्रॉकल और लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉ ल का सही स्तेर बनाये रखने में अपना प्रभाव दिखाया है। यह प्रमाणित है कि पाम ऑयल से युक्त् डाइट असल में कोलेस्ट्रॉरल का स्तंर घटा सकता है- वर्ष 2015 में फूड एंड फंक्श न पत्रिका में प्रकाशित एक क्लिनिकल ट्रायल में पाम ऑयल और ऑलिव ऑयल, दोनों ने कोलेस्ट्रॉपल को 15 प्रतिशत कम किया था। पाम ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो स्वालस्य् घ लाभ के लिये प्रमाणित हैं। पाम ऑयल में कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस-फैट नहीं होते हैं, जिन्हें शरीर के लिये अस्वा स्थे। कर और हानिकारक माना जाता है।

डेढ़ लाख की रिश्वत के केस में वकील रंगेहाथ गिरफ्तार हुआ

वलसाड ।

अहमदाबाद एसीबी की टीम ने वलसाड में कार्रवाई करके वलसाड सीटी पुलिस स्टेशन की महिला पीएसआई की तरफ से रिश्वत लेते हुए बिचौलिये वकी को गिरफ्तार कर लिया है। शराब के एक केस में महिला पीएसआई ने सेलवास के एक बार मालिक को परेशान नहीं करने के और मेटर को खत्म करने के लिए डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसे लेने जाने पर बिचौलिया वकील अहमदाबाद एसीबी के द्वारा रंगेहाथ गिरफ्तार हो गया । हालांकि, मुख्य आरोपी महिला पीएसआई अभी फरार है ।अहमदाबाद एसीबी ने वलसाड में कार्रवाई करते हुए वलसाड जिले के पुलिस खाते में खलबली मच गई है। मिली जानकारी के अनुसार, वलसाड सीटी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करती वाय.जे. पटेल नाम की महिला पीएसआई शराब के एक केस की जांच कर रही थी । जांच के दौरान सेलवास के एक बार मालिक का नाम सामने आया। इसी वजह से बार मालिक ने अग्रिम जमानत ले लिया था । फिर भी महिला पीएसआई वाय.जे. पटेल ने बार मालिक को जरूरी दस्तावेजों के साथ पेश होने के लिए नोटिस भेजा था । इसके बाद भरत यादव नाम के एक वकील द्वारा बार मालिक को परेशान नहीं करने के लिए और दूसरे किसी केस में नहीं फंसाने के बदले में डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी । शिकायतकर्ता को रिश्वत नहीं देना था इसी वजह से उसने अहमदाबाद एसीबी का संपर्क किया था । इसी वजह से अहमदाबाद एसीबी ने वलसाड सीटी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करती महिला पीएसआई वाय.जे. पटेल को गिरफ्तार करने के लिए रिश्वत के जाल का आयोजन किया । इस दौरान महिला पीएसआई की तरफ से भरत यादव नाम का बिचौलिया वकील शिकायतकर्ता से डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार हो गया था । महिला पीएसआई की तरफ से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुए आरोपी भरत यादव को गिरफ्तार करके इसके विरूद्ध कार्रवाई शुरू की गई है ।

जलजनित और मक्खीजनित महामारी ने चिंता बढ़ा दी

अहमदाबाद ।

शहर में कोरोना के साथ जलजनित और मक्खीज नित महामारी का भी आतंक देखने को मिल रहा है । शहर में बदले हुए मौसम के बीच डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, हिपेटाइटिस के मरीजों में लगातार वृद्धि हो रही है । अहमदाबाद सिविल अस्पताल में नवंबर में डेंगू के १२७ केस दर्ज किए गए है। जबकि चिकनगुनिया के ९७ केस दर्ज किया गया है। मलेरिया के १५ मरीजों ने उपचार लिया है। डबल सीजन की वजह से महामारी का शिकंजा देखने को मिल रहा है। महामारी को रोकने के लिए एएमसी ने करोड़ों रुपये की दवाई का छिड़काव किया गया है । लेकिन इसका निश्चित परिणाम नहीं मिला है।

ठंडी की शुरूआत के बाद अभी भी डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हिपेटाइटीस के मरीजों की संख्या बरकरार देखने को मिल रही है । अहमदाबाद में जलजनित और मक्खीजनित महामारी को लेकर अहमदाबाद सिविल अधीक्षक डॉक्टर राकेश जोशी ने बताया है कि, अहमदाबाद शहर में अभी भी जलजनित और मक्खीज नित महामारी बरकरार रहा है । डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हिपेटाइटीस के मरीज लगातार सिविल अस्पताल की ओपीडी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में डेंगू के १२७ केस नवंबर महीने के १७ दिन में दर्ज किया गया है, जबकि सितंबर में २९६, अक्टूबर में ३२७ केस दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया है कि, अहमदाबाद सिविल में चिकनगुनिया के ९७ केस नवंबर महीने के १७ दिन में दर्ज किया गया, जबकि सितंबर में १०८, अक्टूबर १६८ केस थे । मलेरिया के सितंबर में ५८, अक्टूबर में ३६ केस दर्ज किए गए थे जबकि नवंबर महीने के १७ दिन में मलेरिया के १५ मरीजों ने उपचार लिया है।

भाजपा शासन में कालाबाजारी और संग्रहखोर चांदी काट रहे हैं: कांग्रेस

अहमदाबाद।

गुजरात कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा शासन में कालाबाजारी और संग्रहखोर सरकारी अनाज से तगड़ी कमाई कर रहे हैं, जबकि जरूरत मंदों अनाज नहीं मिल रहा। गेहूं, चावल और चीनी इत्यादि के राज्यव्यापी घोटाले पर सरकार की खामोशी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने पूरे मामले की तटस्थ और पारदर्शी जांच की मांग की है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि सरकारी अनाज के राज्यव्यापी घोटाले में केवल सूरत शहर में 62000 जितनी फेक यूजर आईडी के जरिए रु. 100 करोड़ के अनाज का लॉकडाउन और कोरोनाकाल के दौरान कालाबाजारी किया होने का प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है, इसके बावजूद इस मामले में गंभीरता से जांच के कोई तथ्य सामने नहीं आए। जो राशनकार्ड धारक फूड सिक्युरिटी एक्ट के तहत अनाज लेने नहीं जाते थे, उनके नाम के फेक यूजर आईडी बनाकर कालाबाजारियों की गैंग सरकारी अनाज सीधे बाजार में बेच देते थे। साबरकांठा, बनासकांठा, राजकोट, जामनगर समेत राज्य के अनेक जिला-शहरों में गरीबों के हक का अनाज कालाबाजारी चाऊं कर गए। भाजपा सरकार के आशीर्वाद से कालाबाजारी और संग्रहखोर एक सुनियोजित तरीके सरकारी अनाज का घोटाला कर रहे हैं। दियोदर जीआईडीसी में 8.64 लाख, सुरेन्द्रनगर में 24. ।0 लाख के सरकारी के अनाज के बारे में जिला कलेक्टर और आपूर्ति अधिकारी खामोश क्यों हैं? कोरोनाकाल में मध्याह्न भोजन योजना के तहत मिलने योग्य भोजन के अधिकार से 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों को वंचित रखने का भाजपा सरकार ने किया है। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि आंगनवाडी-बाल केन्द्रों के लाखों बच्चे कोरोनाकाल के दौरान पोषक आहार से वंचित रहे। गरीबों के हक का अनाज छीनकर अनाज माफिया, कालाबाजारी और संग्रहखोरों के खिलाफ भाजपा सरकार की ओर से पीबीएम के तहत कार्यवाही नहीं किए जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल उठाए। उन्होंने सवाल कि राशन की दुकान या सरकार द्वारा आवंटित अनाज के गैरकानूनी सौदे किए जाने के बाद उसके अलग अलग गोदामों से पकड़े जाने के बावजूद घोटालेबाजों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही आखिर क्यों नहीं की जाती? सार्वजनिक वितरण व्यवस्था में अनाज, खाद्यतेल, चीनी, केरोसिन और दाल की कालाबाजारी या इस व्यवस्था में गड़बड़ी होने के बावजूद सरकार खामोश क्यों है? इससे स्पष्ट होता है कि कालाबाजारी, संग्रहखोर और अनाज माफिया भाजपा शासन में चांदी काट रहे हैं। मनीष दोशी ने कहा कि गुजरात के नागरिक आपूर्ति विभाग के मुताबिक राज्य में 314-1231 परिवार यानी 1.88 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। सरकार के अन्य विभाग के मुताबिक 40 लाख से अधिक लोग गरीबी के रेखा के नीचे जी रहे हैं। यदि राज्य सरकार सही तरीके से सर्वे करे तो गुजरात में ढाई करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। यह गुजरात में भाजपा शासन की वास्तविकता। उन्होंने कहा कि केन्द्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह और यूपीए अध्यक्षा सोनिया गांधी ने देश के गरीब एवं सामान्य परिवारों को जीवन जीने के लिए खाद्य सुरक्षा कानून दिया था, जिसके अंतर्गत गुजरात में 54 प्रतिशत यानी 3.50 करोड़ नागरिकों को सीधा फायदा पहुंचाया था। लेकिन आज गुजरात में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत नागरिकों को मिलने वाला अनाज की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी की जा रही है। इसके बावजूद गुजरात की भाजपा सरकार खामौश है।

नाइट कर्फ्यू-अन्य नियंत्रण मामले में कोई निर्णय नहीं लिया गया

अहमदाबाद ।

गुजरात में फिर एक बार कोरोना का मामला बढ़ गया है। दीवाली बाद से कोरोना केस का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है । क्या ऐसे में सरकार कड़े नियंत्रण लाएगी ऐसी दुविधा लोगों में हैं । अब बढ़ रहे कोरोना संक्रमण और नाइट कर्फ्यू के मामले में स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बयान दिया है । स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया है कि, कोरोना के केस निश्चित रूप से बढ़ गये है। वायरस मामले की जांच के लिए सैंपल लेबोरेटरी में भेजा गया है । इसमें किस प्रकार के वेरियंट है इसकी जांच की जा रही है। आज इस मामले में बैठक करके जहां केस बढ़ गये हैं इस मामले की चर्चा करेंगे । वैक्सीनेशन की वजह से लोगों को अस्पताल में जाने की ज रूरत नहीं होती है यह अच्छा है । जिस क्षेत्र में एक साथ ज्यादा केस आये हैं, वहां नियंत्रणों को सख्त किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि, बच्चों की वैक्सीन और बूस्टर डोज का हाल गुजरात में कोई आयोजन नहीं है।

नाइट कर्फ्यू और अन्य नियंत्रण मामले में कोई निर्णय नहीं लिया गया है । नाइट कर्फ्यू को बढ़ाने का हाल कोई विचार नहीं है । दूसरी तरफ, अहमदाबाद शहर में लगातार बढ़ रहे कोरोना के केस की वजह से प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है । ज्यादा से ज्यादा लोग आसानी से टेस्टिंग करा सके इसके लिए शहर में फिर से कोरोना टेस्टिंग डोम खड़े किए गए हैं । फिर एक बार बढ़ रहे कोरोना केस मामले में अहमदाबाद सिविल अधीक्षक डॉक्टर राकेश जोशी ने कहा है कि, हाल अहमदाबाद सिविल अस्पताल में सिर्फ १ ही कोरोना पॉजिटिव मरीज उपचार के तहत है और ४ संदिग्ध मरीज भर्ती है। दीवाली के समय जो भीड़ देखने को मिली तब कोरोना के केस बढ़ेंगे ऐसी आशंका थी । इसमें भी कोरोना के केस बढ़ गये वास्तव में, लेकिन स्थिति नियंत्रण में हैं। अब आगामी एक सप्ताह महत्वपूर्ण होगा, जो लोग बाहर घूमकर आये है उनकी निगरानी जरूरी होगी। जो केस अभी आ रहे हैं ऐसे मामलों में अन्य राज्य में घूमने गये और वापस आये लोग ज्यादा है।

राज्य की 45 तहसीलों में बेमौसमी बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता

अहमदाबाद । गुजरात में अचानक बदले मौसम के बीच राज्य की 45 तहसीलों में बेमौसमी बारिश से कृषि फसलों के नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक राज्य में बेमौसमी बारिश होने की संभावना जताई है। जिसे लेकर किसानों में चिंता व्याप्त है। राज्य में कई जगह मूशलाधार बारिश होने की भी खबर है। जिससे कृषि फसलों को काफी नुकसान हुआ है। आसमान में बादलों का जमावडा और बेमौसमी बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन ने सतर्क रहने की हिदायत दी है। मार्केट यार्ड के व्यापारियों समेत किसानों को कृषि उपज सुरक्षित रखने की भी सुझाव दिया है। साथ ही अधिकारियों को हेडक्वार्टर नहीं छोड़ने का भी आदेश दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 21 नवंबर तक राज्य में बेमौसमी बारिश हो सकती है। आज जिन तहसीलों में बारिश हुई है, उसमें कडी, वडनगर, सिद्धपुर, वडगाम, सिद्धपुर, जोटाणा, लाखणी, मांडल, धानेरा, बेचराजी, वडाली, डांग, पाटडी, मेहसाणा, पाटन, ईडर, धानेरा, समी, खेडब्रह्मा, कलोल, पालनपुर, जूनागढ़, ऊंझा, पंचमहल, नर्मदा, मेंदरडा, राधनपुर, पोशीना, दांता, बावला, दियोदर, सतलासण, वडगाम, विजयनगर, कांकरेज, चाणस्मा, खेरालु इत्यादि तहसीलें शामिल हैं। सूरत के ग्रामीण इलाकों में बिजली गरज के साथ बारिश होने की खबर है। सूरत के ग्रामीण इलाके में नेशनल हाईवे पर तुलसी होटल के निकट ट्रांसफार्मर पर बिजली गिरने से डीपी में आग भड़क उठी। कच्छ के वागड, रापर, खेंगारपर समेत अनेक इलाकों में बेमौसमी बारिश से किसानों और पशुपालकों को नुकसान हुआ है। मावठ से गवार, मूंगफली की फसलों समेत घासचारे को बड़ा नुकसान हुआ है। आसमान में बादलों के जमावडे से एरंड की फसल को रोग लगने का डर किसानों का सता रहा है। कच्छ के रापर, भचाऊ और भुज में बेमौसमी बारिश से खेतों में पानी भर गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)